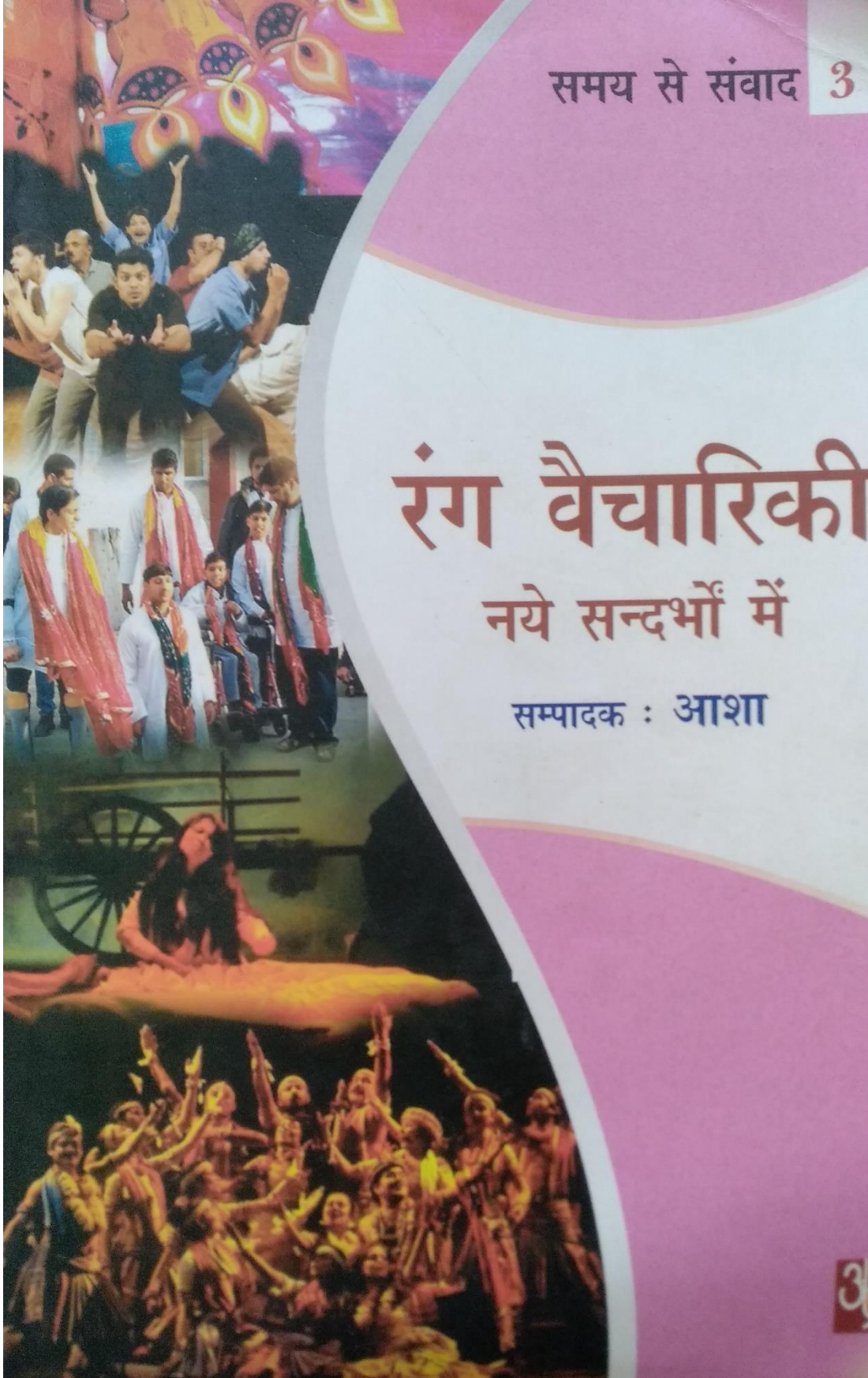


3.4.6 Book/Chapters

SANGIT BHAVANA (INSTITUTE OF MUSIC, DANCE & DRAMA)
Prabhakar, Mrityunjay Kumar
Mukhopadhyay, Amartya
Mukhopadhyay, Indrani and Mukhopadhyay, Amartya
Mukhopadhyay, Indrani
Verma, Amit Kumar
Chakraborty, Eshita
Bandopadhyay, Sruti
Mukhopadhyay, Indrani and Mukhopadhyay, Amartya
Prabhakar, Mrityunjay Kumar
Verma, Amit Kumar
Bandopadhyay, Sruti
Bandopadhyay, Sruti
Basu, Sumit
Basu, Sumit
Mukhopadhyay, Amartya
Mukhopadhyay, Indrani and Mukhopadhyay, Amartya
Prof. Indrani Mukhopadhyay
Mukhopadhyay, Indrani and Mukhopadhyay, Amartya
Verma, Amit Kumar
Bandopadhyay, Sruti
Prabhakar, Mrityunjay Kumar
Prabhakar, Mrityunjay Kumar
Prabhakar, Mrityunjay Kumar
Sarkhel, Sabyasachi
Verma, Amit Kumar
Sarkhel, Sabyasachi
Bandopadhyay, Sruti
Bandopadhyay, Sruti
Prabhakar, Mrityunjay Kumar
Mukhopadhyay, Amartya

1. Prabhakar, Mriyunjay Kumar



प्रकाशक : अनन्य प्रकाशन
ई-17, पंचशील गार्डन, नवीन शाहदरा
दिल्ली-110032

© लेखकों की ओर से सम्पादक

संस्करण : 2015

आईएसबीएन : 978-93-81997-32-1

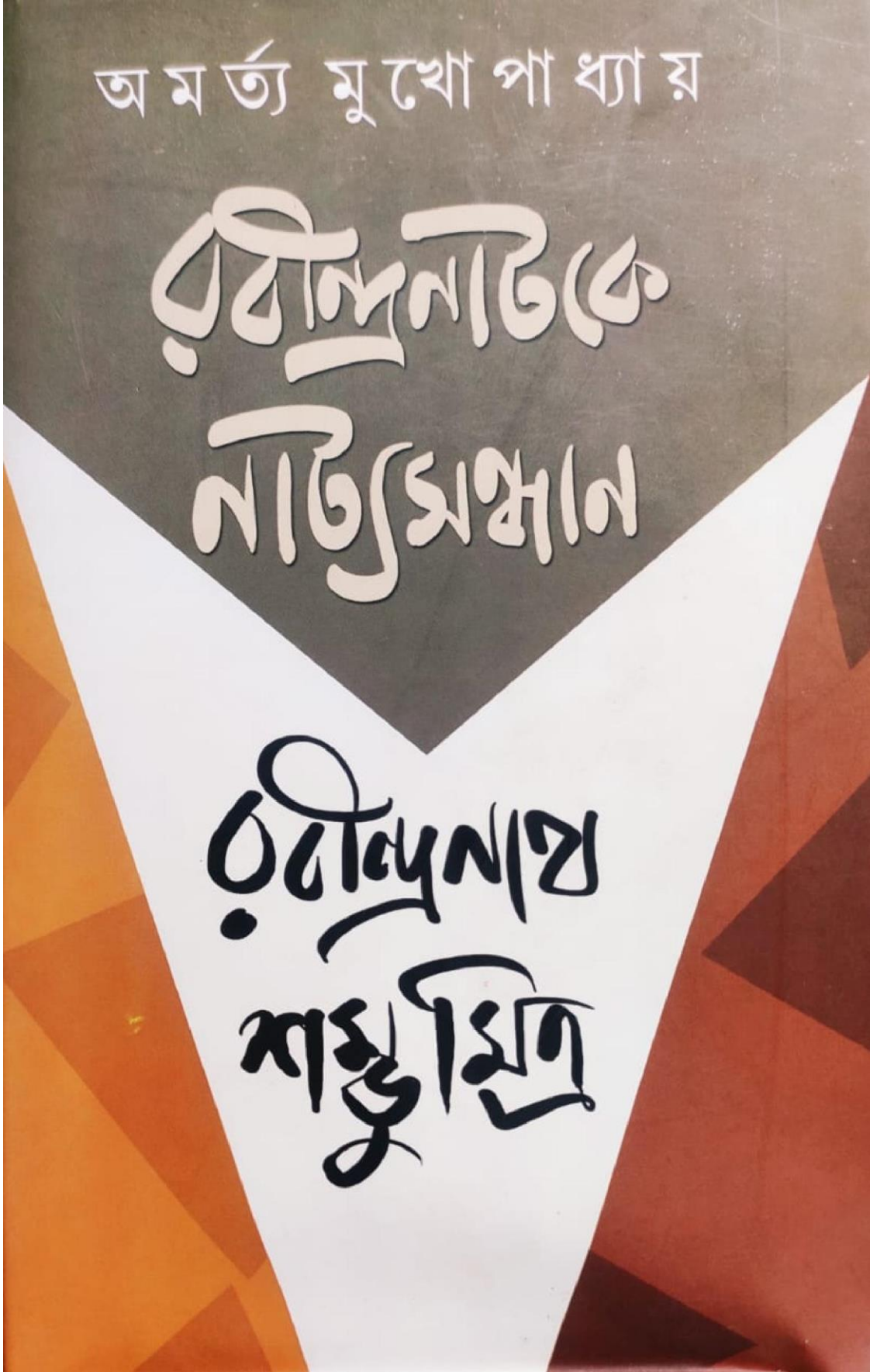
शब्द-संयोजन : कम्प्यूटेक सिस्टम, दिल्ली-110032

मद्रक : कॉम्पैक्ट प्रिंटर्स, दिल्ली-110032

अनुक्रम

समय से संवाद	: किशन कालजयी	(v)
स्वस्थ संवाद और व्यवहार की जरूरत	: आशा	(vii)
हिन्दी रंगमंच का भूत, वर्तमान और भविष्य	: देवेन्द्र राज अंकुर	13
रंगमंच और हिन्दी समाज	: मृत्युंजय प्रभाकर	20
समकालीन रंगमंच और रंगमंच की समकालीनता	: सत्यदेव त्रिपाठी	26
एक निर्देशक के नोट्स	: प्रसन्ना	36
रंगमंच का संकट	: अमितेश	41
क्षीण हो रही हैं वर्चस्व की धाराएँ	: त्रिपुरारी शर्मा	46
समय-स्थान-समुदाय और युवा रंगकर्म	: जावेद अख्तर खाँ	52
डिजिटल थियेटर की सम्भावनाएँ	: अभिलाष पिल्लई	60
सौन्दर्यशास्त्र के तकाजे और नुक्कड़ नाटक	: प्रज्ञा	66
हिन्दी रंगपरिदृश्य और नाट्यलेखन	: हृषिकेश सुलभ	76
रंगमंच और अनुदान	: श्रीकान्त किशोर	81
उपलब्ध रंगमंच सीमा है भी और नहीं भी	: अविनाशचन्द्र मिश्र	91
अभिनेता का स्पेस	: पुंज प्रकाश	95
नाटकों में रंग संगीत	: आलोक मिश्र	104
रंगमंच का संक्रमण काल	: रामजी बाली	108
समकालीन परिदृश्य में हिन्दी रंग पत्रिकाएँ	: धर्मेन्द्र प्रताप सिंह	111
दर्शक के पक्ष में कुछ बयान	: मुन्ना कुमार पाण्डेय	121
लेखक परिचय		127

2. Amartya Mukhopadhyay



RABINDRANATAKE NATYASANDHAN
RABINDRANATH SHAMBHU MITRA
by AMARTYA MUKHOPADHAYAY
Published by Sudhangshu Sekhar Dey, Dey's Publishing
13 Bankim Chatterjee Street, Kolkata 700 073
Phone : 2241-2330/2219-7920 Fax : (033) 2219-2041
e-mail : deyspublishing@hotmail.com
www.deyspublishing.com
₹ 200.00

ISBN 978-81-295-2403-4

প্রথম প্রকাশ : জুন ২০১৫, জ্যৈষ্ঠ ১৪২২

প্রচ্ছদ : রঞ্জন দত্ত

২০০ টাকা

সর্বস্বত্ব সংরক্ষিত

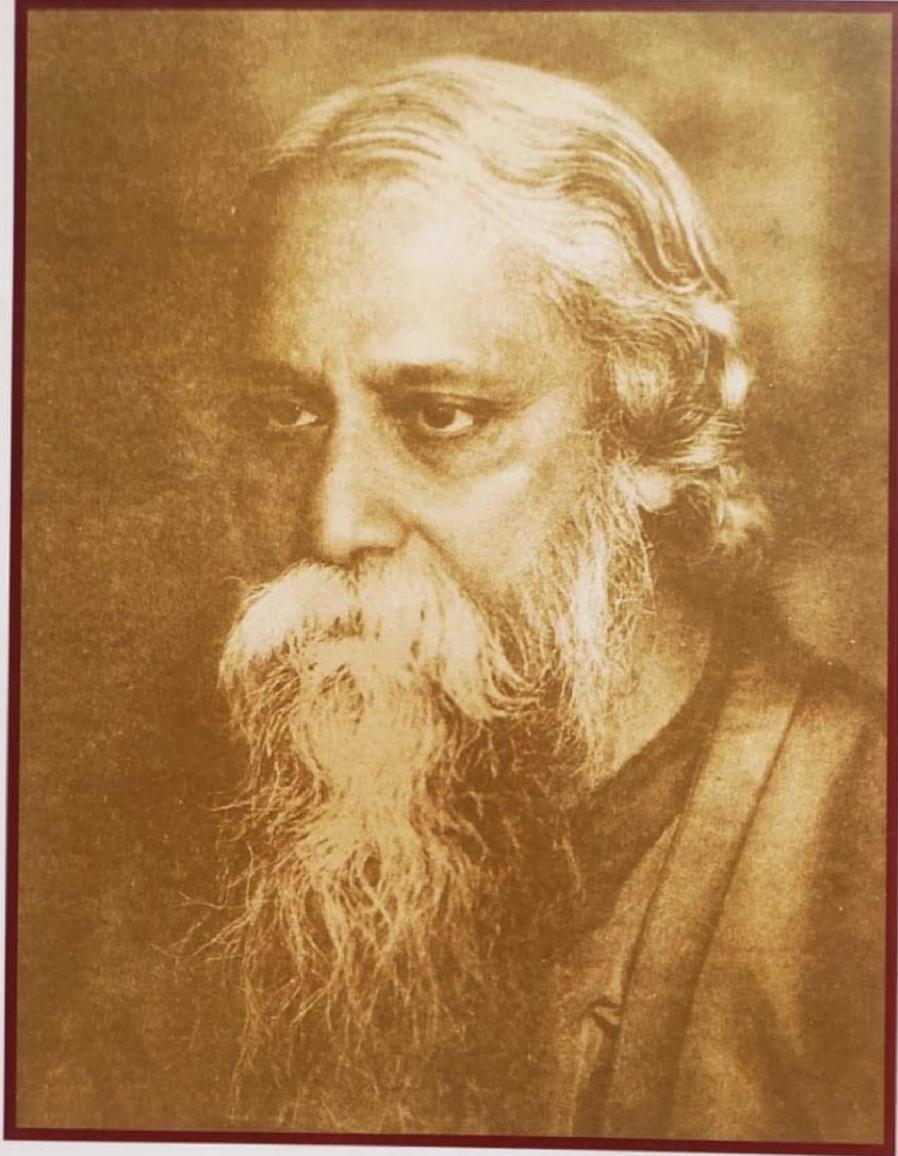
প্রকাশক এবং স্বত্বাধিকারীর লিখিত অনুমতি ছাড়া এই বইয়ের কোনও অংশেরই কোনওরূপ পুনরুৎপাদন বা প্রতিলিপি করা যাবে না, কোনও যান্ত্রিক উপায়ের (গ্রাফিক, ইলেকট্রনিক বা অন্য কোনও মাধ্যম, যেমন ফোটোকপি, টেপ বা পুনরুদ্ধারের সুযোগ সংবলিত তথ্য সঞ্চয় করে রাখার কোনও পদ্ধতি) মাধ্যমে প্রতিলিপি করা যাবে না বা কোনও ডিস্ক, টেপ, পারফোরেটেড মিডিয়া বা কোনও তথ্য সংরক্ষণের যান্ত্রিক পদ্ধতিতে পুনরুৎপাদন করা যাবে না। এই শর্ত লঙ্ঘিত হলে উপযুক্ত আইনি ব্যবস্থা গ্রহণ করা যাবে।

প্রকাশক : সুধাংশুশেখর দে, দে'জ পাবলিশিং
১৩ বঙ্কিম চ্যাটার্জি স্ট্রিট, কলকাতা ৭০০ ০৭৩

লেজার সেটিং : লোকনাথ লেজারোগ্রাফার
৪৪এ, বেনিয়াটোলা লেন, কলকাতা ৭০০ ০০৯

মুদ্রক : সুভাষচন্দ্র দে, বিসিডি অফসেট
১৩ বঙ্কিম চ্যাটার্জি স্ট্রিট, কলকাতা ৭০০ ০৭৩

3. Mukhopadhyay Indrani and Mukhopadhyay Amartya



রবীন্দ্রসঙ্গীত
ভাষণ

আয়োজন : বিশ্বভারতী কর্মিপরিষদ
পরিকল্পনা : রবীন্দ্রসংগীত গবেষণা কেন্দ্র

প্রথম প্রকাশ ২৫ বৈশাখ ১৪২২

© বিশ্বভারতী

মূল্য : ১৭০.০০ টাকা

ISBN-978-81-7522-616-6

প্রকাশক শ্রীরামকুমার মুখোপাধ্যায়
বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ ৬ আচার্য জগদীশচন্দ্র বসু রোড কলকাতা ১৭

মুদ্রক হুগলী প্রিন্টিং কোম্পানী লিমিটেড

(ভারত সরকারের সংস্থা)

৪১, চৌরঙ্গী রোড কলকাতা ৭০০ ০৭১

4. Mukhopadhyay, Indrani

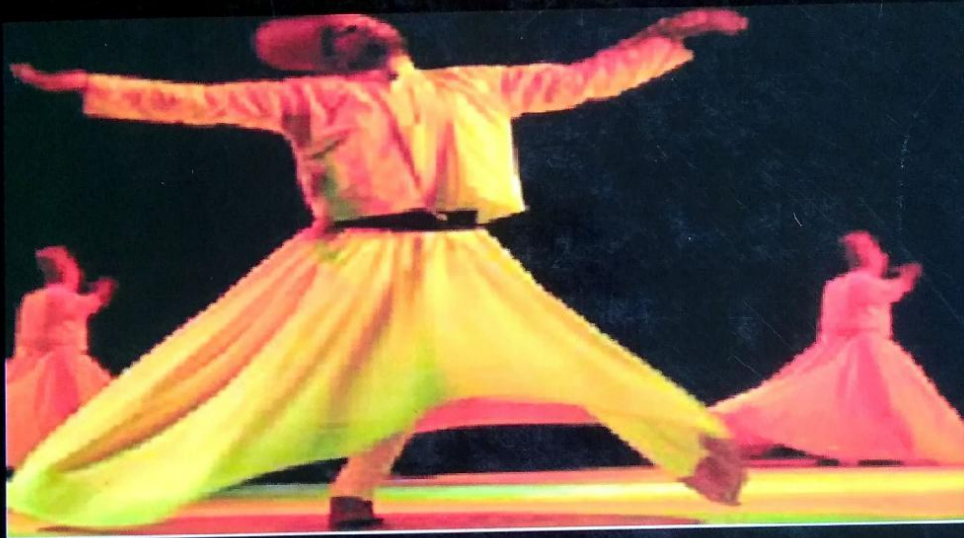
আয়োজন : বিশ্বভারতী কমিশনির পরিচালনা : রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর দাশরথী কল্যাণ	
প্রথম প্রকাশ : ২২ বিংশ শতাব্দী ১৯২২	
© বিশ্বভারতী	
মূল্য : ১৭০.০০ টাকা	
ISBN-978-81-7522-616-6	
প্রকাশক শ্রীরামকুমার মুখোপাধ্যায় ৪৩ বঙ্গবন্ধুবিভাগ ৬ আচার্য জগদীশচন্দ্র বসু রোড কলকাতা ১৭	
মুদ্রক হুগলী প্রিন্টিং কোম্পানী লিমিটেড (ভারত সরকারের সংস্থা) ৪১, চৌরঙ্গী রোড কলকাতা ৭০০ ০৭১	
সবুজকালি সেন	৯
অনন্য রবীন্দ্রনাথ	১০
সভামুখ্যের ভাষণ : সুশান্ত দত্তগুপ্ত	১১
সুশান্ত দত্তগুপ্ত	১২
রবীন্দ্রনাথ : পানে বিজ্ঞানে	১৩
সভামুখ্যের ভাষণ : সিতাংকু রায়	১৪
ইন্দ্রাণী মুখোপাধ্যায়	১৫
রবীন্দ্রনাথের পত্রিকার জগৎ	১৬
সভামুখ্যের ভাষণ : আলপনা রায়	১৭
অরুণকুমার বসু ও সুশোভন অধিকারী	১৮
ছবি ও গান	১৯
সভামুখ্যের ভাষণ : শর্মিলা রায় পোমো	২০
অরুণকুমার বসু	২১
রবীন্দ্র নাটক : মুক্তির অন্তর্ভুক্ত	২২
সভামুখ্যের ভাষণ : সুপ্রিয় ঠাকুর	২৩
তপতী মুখোপাধ্যায়	২৪
প্রাচ্যতত্ত্ববিদ রবীন্দ্রনাথের তথ্যগত-প্রণতি	২৫
সভামুখ্যের ভাষণ : কল্যাণকুমার বাগচী	২৬

Verma, Amit Kumar

SUFISM

AND
INDIAN SPIRITUAL TRADITIONS

An Educational Perspective



ND

Mohammad Shaheer Siddiqui

Mohammad Shaheer Siddiqui, *Sufism and Indian Spiritual Traditions: An Educational Perspective*,
New Delhi Publishers, New Delhi

© Publishers

First Edition 2015

Title Page by Mrs. Gulshan Khan

ISBN: 978-81-85503-05-9 (e-book)

ISBN: 978-81-85503-06-6 (print)

All rights reserved. No part of this book may be reproduced
stored in a retrieval system or transmitted, by any means, electronic
mechanical, photocopying, recording, or otherwise
without written permission from the publisher

9. Peace Education—A Need of Hour	311
<i>Neeti Trivedi</i>	
10. Peace Education in Indian Schools	319
<i>Mrs. Nasrin</i>	
11. Sufi, Their Traits and Its Demand in Modern Education	325
<i>Mohammad Shafi Ahmed</i>	

PART — VI EPITOMES OF INDIAN CULTURE

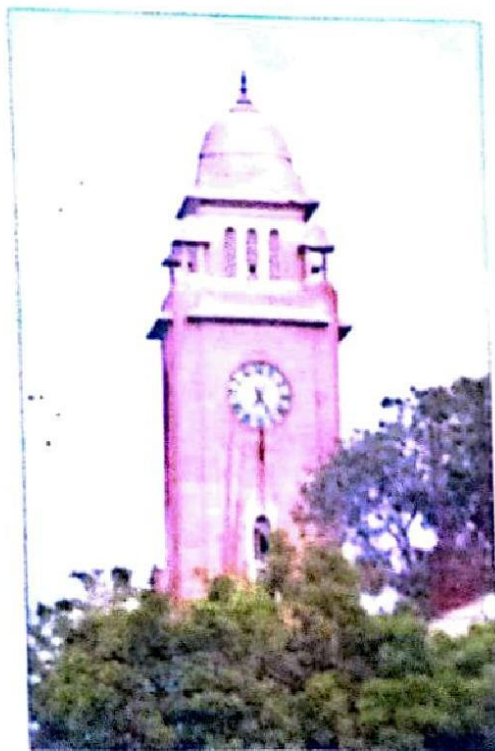
१. भारतीय आध्यात्मिक परम्परा	३३५
<i>योगेश प्रवीन</i>	
२. उत्तर भारत की विभिन्न धार्मिक परम्पराओं में सूफी संगीत परम्परा : एक अवलोकन	३३९
<i>रितु सिंह</i>	
३. संगीत की उपासना स्थली-सूफी दरगाह खानकाहे-नियाज़िया	३४५
<i>रुचि गुप्ता</i>	
४. संगीत शिक्षा के सामाजिक सारोकार	३४९
<i>अमित कुमार वर्मा</i>	
५. भारतीय संगीत : आध्यात्मिक दृष्टि	३५५
<i>विशाल जैन</i>	
६. ब्रज में देवोपासना के विभिन्न सम्प्रदाय एवं उनकी कीर्तन परम्परा	३६१
<i>नम्रता मिश्रा</i>	
७. मनुष्य के नैतिक एवं आध्यात्मिक उत्कर्ष में संगीत की भूमिका	३७१
<i>शिवानी सोनकर</i>	
८. भारत में सूफीमत का विकास और उसका योगदान	३७५
<i>प्रमोद कुमार शर्मा</i>	

Chakraborty, Eshita

MUSICAL FORMS

**Seminar Papers
presented on 28th & 29th October 2015**

Volume 1



**DEPARTMENT OF INDIAN MUSIC
University of Madras
Chepauk, Chennai 600 005**

**SCIENTIFIC BONDING BETWEEN MUSICAL FORMS AND
VOCAL MECHANISM**

Eshita Chakraborty
Assistant Professor
Department of Hindustani Classical Music (VOCAL)
Sangit Bhavana, Visva Bharati
Santiniketan, West Bengal

Introduction

CONTENTS

No.	TITLE	Page No.
VOLUME 1		
1.	Comparative Analysis of Rāgamālikās given in Oriental Music in European Notation with SSP - Aishwarya Shankar	1
2.	Jāvaḷi-s of Veena Krishnamachari - Amrutha Varshini H G	14
3.	Northern Indian Semi-Classical Music Form Thumari - Anjali Sharma	26
4.	Structure of Suḷādi: A Musicological Study of Suḷādi Notations in Thanjavur Manuscripts - Dr N Arati Rao	33
5.	Adhyatma Ramayana Kirtanas of Sri Munipalle Subramanya Kavi - Dr Dwaram Lakshmi	78
✓ 6.	Scientific Bonding between Musical Forms and Vocal Mechanism - Eshita Chakraborty	92
7.	Ugabhogas - Hamsini Nagendra	99
8.	Forms of Music - Jyothsna Lakshmi	105
VOLUME 2		
9.	Tillānā-s of The Tanjore Quartet Family - Jyotsna Vivek	116
10.	Significance of a Varnam In Carnāṭic Music in Learning Notations - Kamala Ramani M V	127
11.	Madhyamakāla Sāhitya in Tyāgarāja Kīrtana-s - Kavitha Shivakami R	144
12.	Musical Forms usually rendered in Vishnu Temples - Maha Lakshmi A	159

শ্রুতি বন্দ্যোপাধ্যায়

নৃত্য

অন্তরে - বাহিরে



কালিদাস



Nritya : Antare-Bahire
by Sruti Bandyopadhyay

© Author

ISBN : 978-93-81640-69-2

Phone : 9062111111 • +91 033 64444411

website : www.karigarpublishers.com

e-mail : kritkarigar@gmail.com

প্রথম প্রকাশ • বইমেলা ২০১৬

প্রকাশক • দেবাশিস সাউ

৩৫বি, ক্যানাল ওয়েস্ট রোড কলকাতা ৪

অক্ষরবিন্যাস • কারিগর

মুদ্রক • বসু মুদ্রণ

১৯এ সিকদার বাগান সিটি কলকাতা ৪

গ্রন্থসজ্জা ও বিন্যাস • দেবাশিস সাউ

প্রচ্ছদ ও অলংকরণ • সুব্রত চৌধুরী

₹ ৩০০.০০

প্রকাশকের লিখিত অনুমতি
ছাড়া এই বইয়ের কোনো
অংশের কোনো ধরনের
প্রতিলিপি অথবা
পুনরুৎপাদন করা যাবে না।
এই শর্ত অমান্য করা হলে
উপযুক্ত আইনি ব্যবস্থা
নেওয়া হবে।

সূচি

ঐতিহাসিক: প্রাচ্য

- মাস্কি ও শাস্ত্রীয় নৃত্যকলা: পারম্পরিক সমৃদ্ধি, সময় ও মনোভা ২০
ভারতীয় শাস্ত্রীয় নৃত্যকলা: হস্তকথা ৩১
ভারতমাতৃম: মনির খোক মংক ৪০
মনিপুরি নৃত্যকলা ৪১
উৎসর্গ ও মনিপুরি নৃত্য ৪২

ঐতিহাসিক: সাশচাত্য

- আমেসিকার নৃত্য ও ইমাজেরা জনকান ৬৭
কুইন্স জেমস: আধুনিক নৃত্যকলা জগতের
একটি অস্বিকারিত নাম ৮১

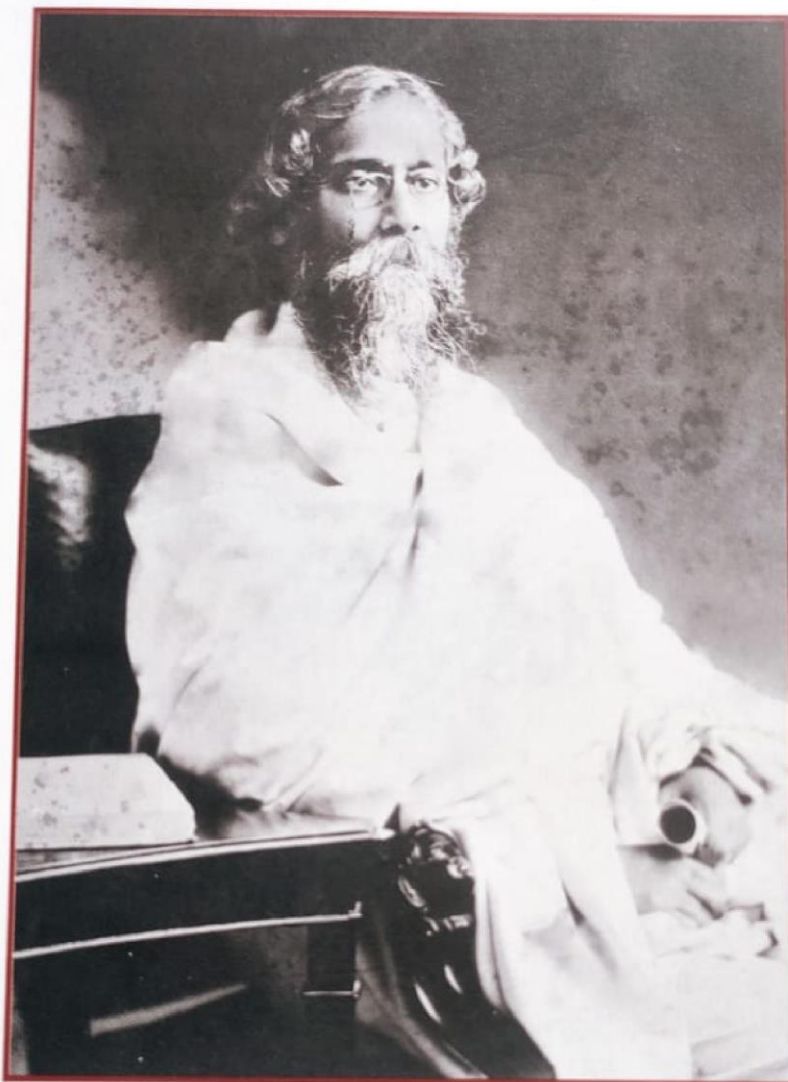
ঐতিহাসিক: ব্রহ্মদেশ

- বিশ্ববিদ্যালয় প্রাপ্ত: ব্রহ্মদেশ ৯৭
ব্রহ্মদেশের নৃত্য জগতের নৃত্য ১১০

- ব্রহ্মদেশের নৃত্য ১২৭
নৃত্যমাত্রে চিত্রাঙ্গদা ১৩৪

ঐতিহাসিক: আধুনিক

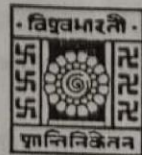
- মুক্ত নৃত্য: একটি ভাবনা ১৪৭
নৃত্য: কিছু প্রশ্ন, কিছু উত্তর ১৫০
নৃত্য সৃজনশীলতা বনাম সৃজনশীল নৃত্য ১৫৩
নৃত্য: আধুনিক ও সৃজনশীল ১৫৪
নৃত্যদর্শকত্ব ও আনুষ্ঠানিক ১৭৭
স্বাধীনতা উত্তর বাঙালির মাসিক সংস্কৃতি: প্রশংসা নৃত্য ১৮০
নৃত্য নৃত্যধারার আনন্দ মনন ১৮৩



রবীন্দ্রসঙ্গীত
ভাষণ

রবীন্দ্রসপ্তাহ ভাষণ
২৩-২৯ শ্রাবণ ১৪২৩

সম্পাদনা
ইন্দ্রাণী মুখোপাধ্যায়
অমর্ত্য মুখোপাধ্যায়



বিশ্বভারতী

আয়োজন : বিশ্বভারতী কর্মিপরিষদ
পরিকল্পনা : রবীন্দ্রসংগীত গবেষণা কেন্দ্র

প্রথম প্রকাশ : শ্রাবণ ১৪২৩

© বিশ্বভারতী

মূল্য : ২০০.০০ টাকা

ISBN 978-81-7522-639-5

প্রকাশক রামকুমার মুখোপাধ্যায়
বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ। ৬ আচার্য জগদীশচন্দ্র বসু রোড। কলকাতা ১৭

মুদ্রক ইস্ট ইন্ডিয়া ফোটো কম্পোজিং সেন্টার
৬৯ শিশির ভাদুড়ি সরণী। কলকাতা ৬



ISBN : 978-81-924589-1-5

Price : ₹ 150

© Author

First Edition : 2016

Publisher : Ink Lit
111/9, 1st Floor, Gulmohar Apt. Next to
SPYM, Kishangarh, Vasant Kunj
New Delhi-110070
Email - inklitindia@gmail.com

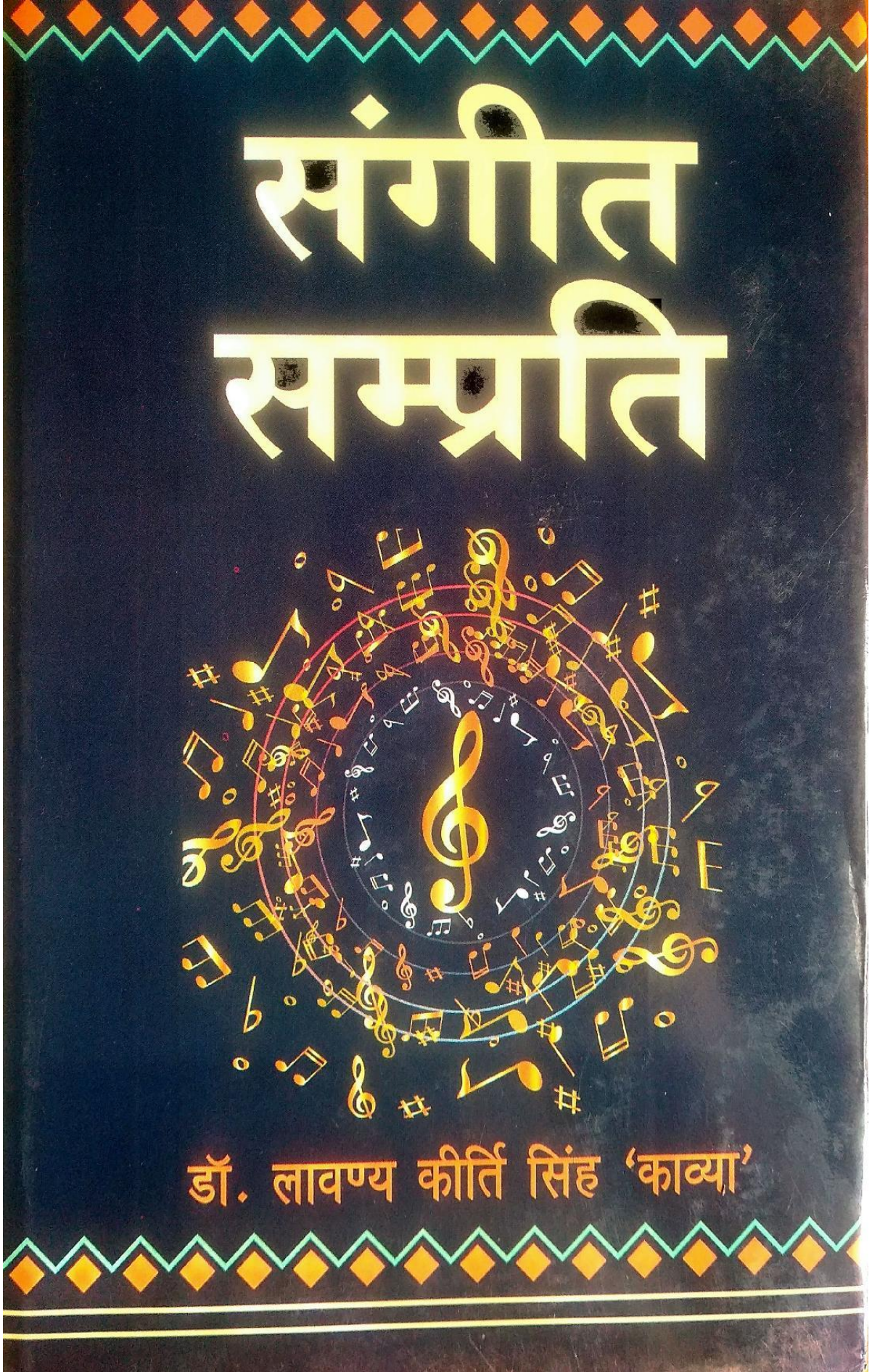
Cover Design : Rikimi Madhukaillya

Printed at : Vikas Computer and Printers
Naveen Shahdara, Delhi-110032

Khwahishen : A Play
By Mrityunjay Prabhakar

पात्र

रति (28 साल) - इंडिपेंडेंट वुमेन
जग्गी (30 साल) - वेल्ला ब्यॉय
इमरान (24 साल) - शायर मिजाज



कनिष्क पब्लिशिंग हाउस

4695/5-21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज

नई दिल्ली-110 002

फोन: 2327 0497, 2328 8285

फैक्स : 011-2328 8285

E-mail: kanishka_publishing@yahoo.co.in

प्रथम संस्करण-2016

© सम्पादिका

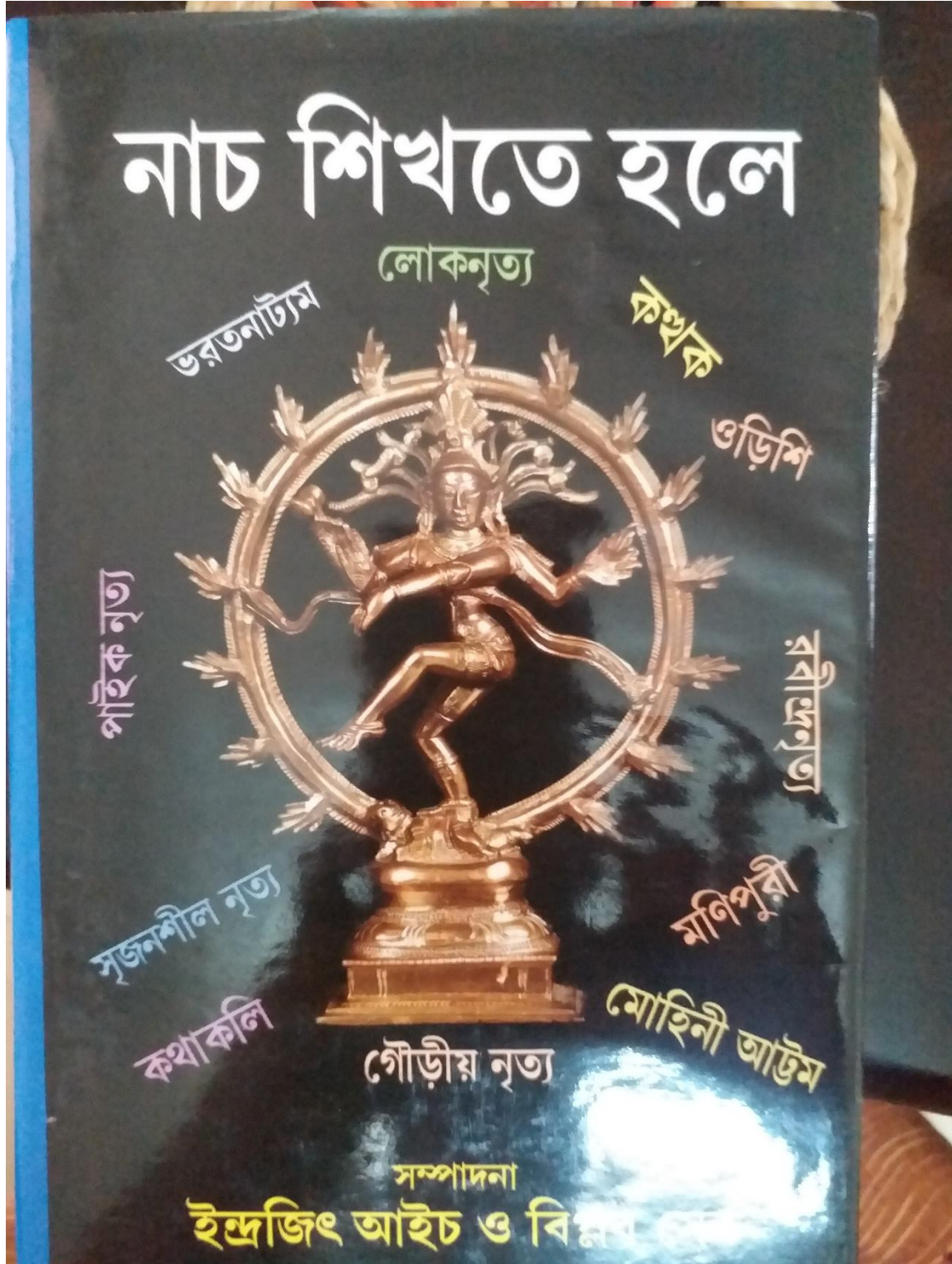
ISBN: 978-81-8457-723-5

भारत में मुद्रित

कनिष्क पब्लिशिंग हाउस, 4695/5-21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002 से चैतन्य सचदेवा द्वारा प्रकाशित; क्वालिटी प्रिंटर्स, दिल्ली द्वारा शब्द-संयोजन तथा नाइस प्रिंटिंग प्रेस, दिल्ली द्वारा मुद्रित।

11. विज्ञापन में संगीत: स्वरूप एवं महत्त्व
कुमार निर्मल मोहन सिंह 110
12. "Music of All" as an Instrument for National
Integration: A Gandhian View 130
Dr. Namrata Mishra
13. Publications on Research in Music: A Review 133
Dr. Amit Kumar Verma
14. लोकगीतों की मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि 142
डॉ. अरविन्द कुमार
15. गर्ग संहिता में राग-रागिनियाँ 148
डॉ. अम्बरीश चंचल
16. रागों द्वारा रस निष्पत्ति और प्राप्त आनन्द 153
डॉ. आकांक्षी
17. संगीत और अध्यात्म 158
डॉ. रुबी कुमारी
18. मीरा के भक्तिमय पदों में संगीत 166
डॉ. शिप्रा श्रेयसी
19. मधुबनी संगीत घराना 171
डॉ. शिव नारायण मिश्र

Bandopadhyay, Sruti: Naach Shikte Hole
Basu, Sumit; Naach Shikte Hole



NACH SIKHTE HOLE
Edited by Indrajit Aich & Biplab Sen
Rs. 250/-

ISBN : 978-93-83895-44-1

গ্রন্থস্বত্ব : প্রকাশক

প্রথম প্রকাশ : কলকাতা বইমেলা, ২০১৭

প্রকাশক : শুভেন্দু মিশ্র
২৪/৩, শীতলচন্দ্র নস্কর রোড, কলকাতা-৭০০০৮৪
দূরভাষ : ৯০৫১৫৮০৮৫৬

অঙ্করবিন্যাস : তনুশ্রী প্রিন্টার্স
২১বি, রাধানাথ বোস লেন, কলকাতা-৭০০০০৬

প্রচ্ছদ : চৈতি মিশ্র

মুদ্রণ : চৌধুরী অফসেট
১৫, ওয়ার্ডস ইনস্টিটিউশন স্ট্রিট
কলকাতা-৭০০০০৬

সূচিপত্র

নাট্যশাস্ত্র পিয়াল ভট্টাচার্য ২৫

ভরতনাট্যম

ভরতনাট্যম ড. মহুয়া মুখোপাধ্যায় ৪৩

Bharatnatyam প্রিয়দর্শীনি ঘোষ (সোম) ৫৬

কথক

কথকনৃত্যের ইতিহাস ও পরিক্রমা সন্দিপ মল্লিক ৬৫

কথক নৃত্যের উৎপত্তি আলপনা সেন ৬৯

The Development of kathak

in P. I. Period অসীমবন্ধু ভট্টাচার্য ৮৩

ওড়িশি

ওড়িশি নৃত্য রাজীব ভট্টাচার্য ৯১

ওড়িশি নৃত্যের অনুশীলন শ্রীমতী পৌষালী মুখোপাধ্যায় ১১৪

Subject Odissi সখিতা ভট্টাচার্য ১৩১

মণিপুরী

মণিপুরী নৃত্যকলার পরিচয় — ড. শ্রুতি বন্দ্যোপাধ্যায় ১৩৭

মণিপুরী নৃত্যকলার সূচনাপর্ব — ড. সুমিত বসু ১৪৫

কথাকলি

কথাকলি উৎপত্তি ও ক্রমবিকাশ লুনা বোস ১৬৭

মোহিনী আট্টম

মোহিনী আট্টম (Mohini Attyam) প্রিয়দর্শীনি ঘোষ (সোম) ১৯৩

রবীন্দ্রনৃত্য

রবীন্দ্রনৃত্য ড. শ্রুতি বন্দ্যোপাধ্যায় ১৯৯

রবীন্দ্রনৃত্যের ক্রমবিকাশ অরুণাভ লাহিড়ী ২০৭

গৌড়ীয় নৃত্য

গৌড়ীয় নৃত্য ড. মহুয়া মুখোপাধ্যায় ২২৩

লোকনৃত্য

বাংলার লোকনৃত্যের গতিপ্রকৃতি ড. ইন্দ্রানী দত্ত শতপথী ২৪৩

পাইক নৃত্য

পাইক নৃত্য ড. তরুণ প্রধান ২৬৭

সৃজনশীল নৃত্য

সৃজনশীল নৃত্য কাশ্মীরা সামন্ত ২৮৭

উদয়শঙ্কর নৃত্যধারার শিক্ষা প্রতিষ্ঠান 'উদয়ন' মমতা শঙ্কর/চন্দ্রদয় ঘোষ ২৯০

ভারতীয় নৃত্যের মাধ্যমে মনশ্চিকিৎসা সুরঙ্গমা দাশগুপ্ত ২৯৩



মণিপুরী লাইহারাওবা নৃত্য

Manipurer Laiharouba Nritya

by - Dr. Sumit Basu

Sangit Bhawan, Visvabharati, Santiniketan

প্রথম প্রকাশ

প্রথম প্রকাশ

১৩ই নভেম্বর, ২০১৭

লিপিকা, শান্তিনিকেতন

গ্রন্থস্বত্ব : লেখক কর্তৃক সংরক্ষিত

ISBN : 978-93-84652-13-5

প্রকাশক

বুক বাজার

কালিবাড়ি লেন, যাদবপুর

কলকাতা-৭০০ ০৩২

অক্ষর বিন্যাস ও মুদ্রণ

মাইক্রোপ্রিন্ট গ্রাফিক্স

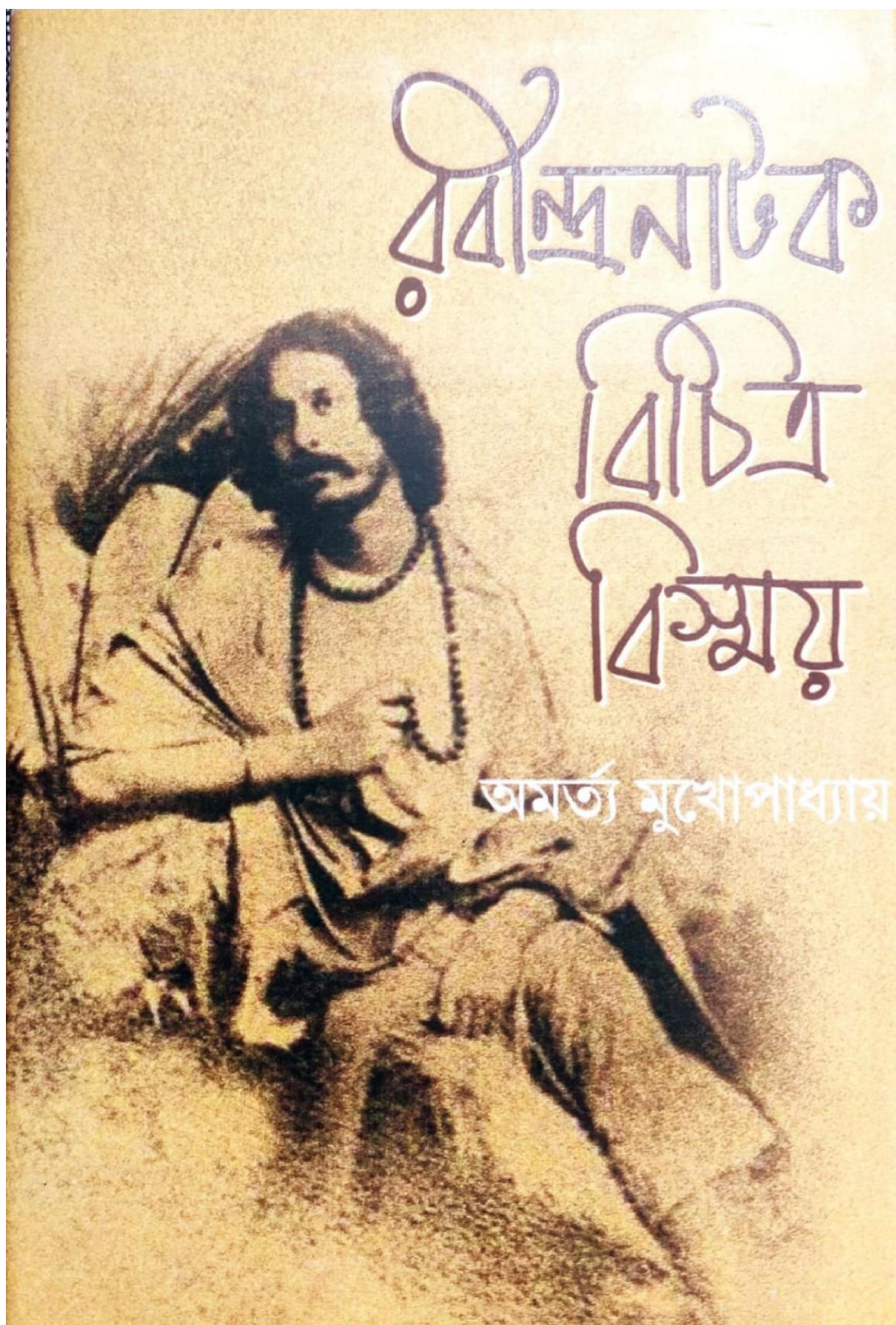
১এ, রাজা লেন

কলকাতা - ৭০০ ০০৯

চলভাষ : ৯০০৭৮৬৯৭১২

মূল্য : ৩০০.০০

Scanned with CamScanner



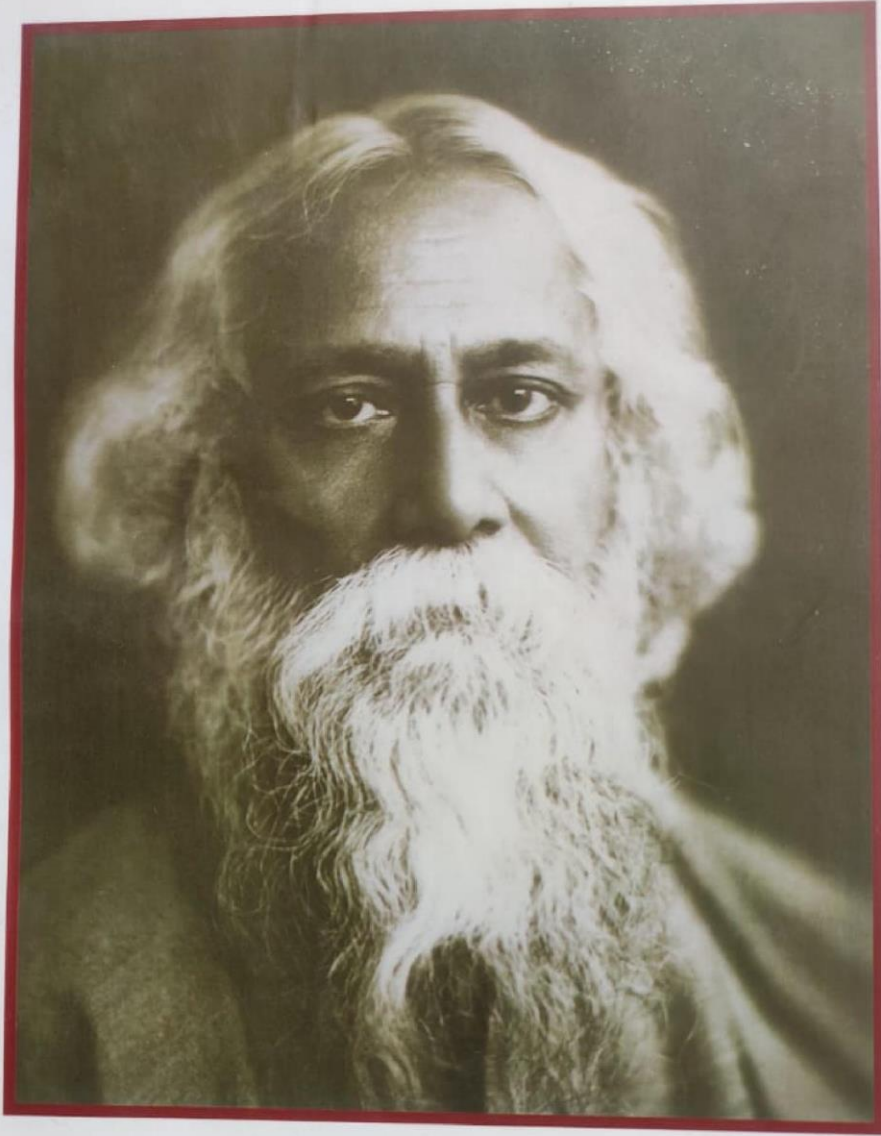
গ্রন্থস্বত্ব সংরক্ষিত

গ্রন্থটি এই শর্তসাপেক্ষে বিক্রি হল যে প্রকাশকের লিখিত পূর্ব-সম্মতি ছাড়া যে আকারে এই গ্রন্থ প্রকাশিত হয়েছে তার অন্যান্যরূপ বাঁধাই বা প্রচ্ছদের এবং অনুরূপ ধরন ব্যতিরেকে অন্য কোনও পদ্ধতিতে ব্যবসা-সূত্রে বা অন্যভাবে এই গ্রন্থ ধার দেওয়া, পুনরায় বিক্রি করা, ভাড়া দেওয়া বা অন্যভাবে প্রচার করা যাবে না। সেই সঙ্গে উপরোক্ত কপিরাইট অধীন অধিকারকে সীমায়িত না করে পরবর্তী ক্রেতার উপর এই শর্তও আরোপ করা হচ্ছে যে, এই গ্রন্থের কপিরাইটের মালিক এবং উপরোক্ত প্রকাশক, উভয়েরই লিখিত পূর্ব-অনুমতি ছাড়া যে কোনও পদ্ধতিতে বা যে কোনও উপায়ে (ইলেকট্রনিক মাধ্যম, মেকানিক্যাল ফোটোকপিং বা অন্যভাবে) এই প্রকাশনার কোনও অংশ পুনঃপ্রকাশ মজুত অথবা কোনও পুনরুদ্ভার (রিট্রিভাল) পদ্ধতিতে উপস্থাপন বা প্রেরণ করা যাবে না।

দ্বিতীয় সংস্করণ	আগস্ট ২০১৭
প্রথম প্রকাশ	জুলাই ২০০৭
প্রচ্ছদ	মৃগাল শীল
©	দময়ন্তী মুখোপাধ্যায়
প্রকাশক	স্বাভী রায়চৌধুরী সপ্তর্ষি প্রকাশন ৫১ সীতারাম ঘোষ স্ট্রিট। কলকাতা ৭০০ ০০৯
মুদ্রক	এস পি কমিউনিকেশনস কলকাতা
প্রধান বিক্রয়কেন্দ্র	৬৯ সীতারাম ঘোষ স্ট্রিট। কলকাতা ৭০০ ০০৯ ৮০/১বি, মহাত্মা গান্ধী রোড কলকাতা ৭০০ ০০৯
যোগাযোগ	চলভাষ ৯৮৩০৩ ৭১৪৬৭ ই-মেল saptarshiprakashan@hotmail.com
দাম	১০০ টাকা (পেপারব্যাক) ১৫০ টাকা (বোর্ডবাঁধাই)

সূচীপত্র

সূচনা	২৭
বৈষ্ণবীয় নৃত্যধারা	২৯
প্রাক্ বৈষ্ণবীয় নৃত্যধারা	৩০
মণিপুরের বিভিন্ন লাইহারাওবা নৃত্য উৎসবের ৩৬৪ জন পুরুষ দেবতার নাম	৩৫
মণিপুরের বিভিন্ন লাইহারাওবা নৃত্য উৎসবের ৩৬৪ জন দেবীর নাম	৪১
ককচীঙ্ / কক্চিং লাইহারাওবার বিবরণ	৪৭
অন্দ্রোলাইহারাওবা	৫৩
চক্‌পা-ফায়েং লাইহারাওবা	৫৬
মৈরাং থাংজিং লাইহারাওবা	৬৪
চক্‌পা লৈমরাম লাইহারাওবা	৭১
কাথা লাইহারাওবা	৭৭



রবীন্দ্রসপ্তাহ
ভাষণ

রবীন্দ্রসপ্তাহ ভাষণ

২৩-২৯ শ্রাবণ ১৪২৪

সম্পাদনা

ইন্দ্রাণী মুখোপাধ্যায়

অমর্ত্য মুখোপাধ্যায়



বিশ্বভারতী

আয়োজন : বিশ্বভারতী কর্মিপরিসদ
পরিকল্পনা : রবীন্দ্রসংগীত গবেষণা কেন্দ্র

প্রথম প্রকাশ : শ্রাবণ ১৪২৪

© বিশ্বভারতী

মূল্য : ২০০.০০ টাকা

ISBN 978-81-7522-661-6

প্রকাশক কর্মসচিব (ভারপ্রাপ্ত), বিশ্বভারতী
বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ। ৬ আচার্য জগদীশচন্দ্র বসু রোড। কলকাতা ১৭

মুদ্রক ডি জি অফসেট
৯৬/এন মহারানি ইন্দিরা দেবী রোড। কলকাতা ৬০

আয়োজন : বিশ্বভারতী কর্মপরিষদ
পরিকল্পনা : রবীন্দ্রসংগীত গবেষণা কেন্দ্র

প্রথম প্রকাশ : শ্রাবণ ১৪২৪

© বিশ্বভারতী

মূল্য : ২০০.০০ টাকা

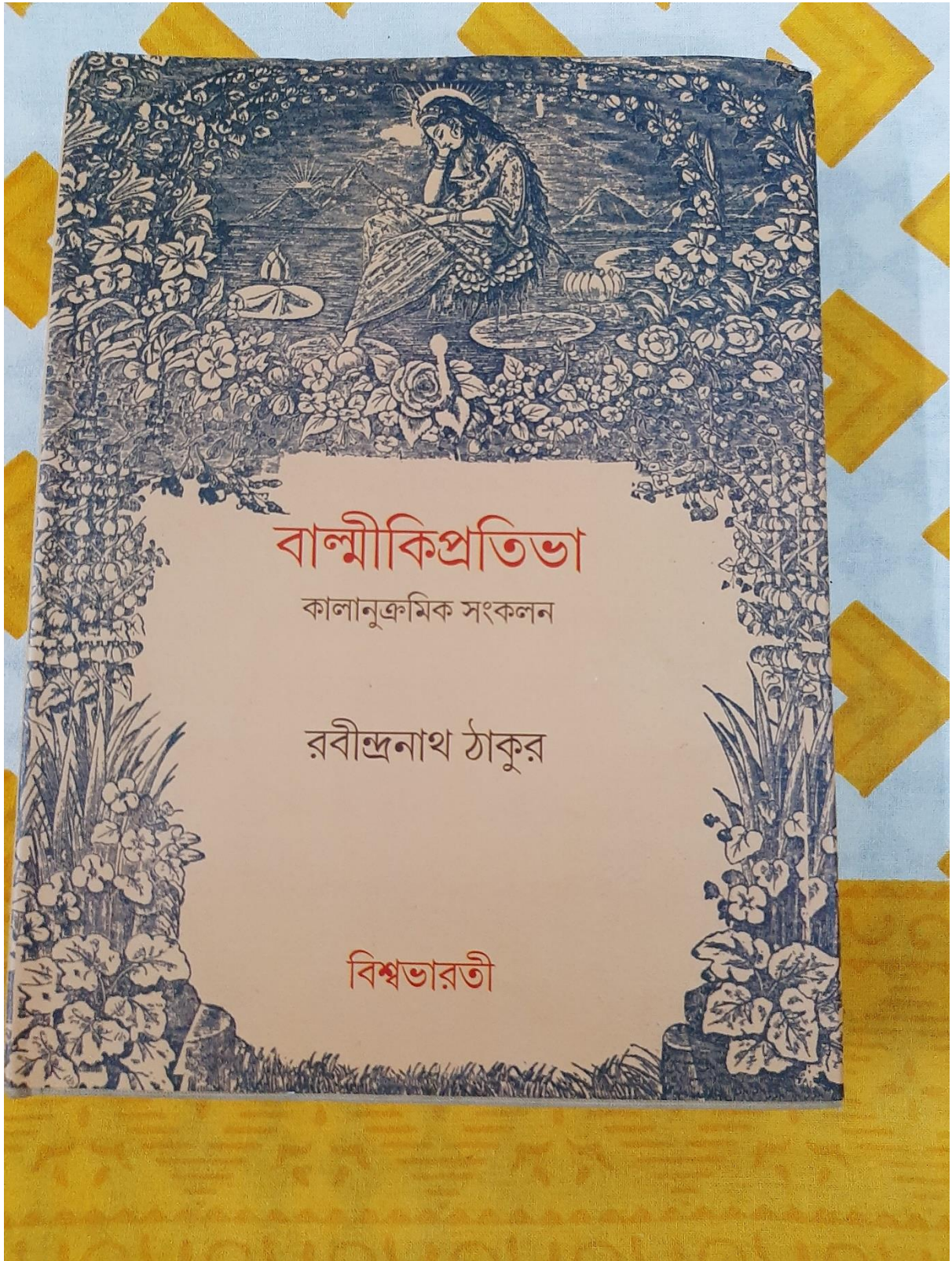
ISBN 978-81-7522-661-6

প্রকাশক কর্মসচিব (ভারপ্রাপ্ত), বিশ্বভারতী
বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ। ৬ আচার্য জগদীশচন্দ্র বসু রোড। কলকাতা ১৭

মুদ্রক ডি জি অফসেট
৯৬/এন মহারানি ইন্দিরা দেবী রোড। কলকাতা ৬০

সূচি

রবীন্দ্রনাথ ও পল্লী উন্নয়ন	৯
চিরন্তন চট্টোপাধ্যায়	১৮
সভামুখোর ভাষণ : স্বপনকুমার দত্ত	২৩
শিশুসাহিত্য ও রবীন্দ্রনাথ	২৬
শ্রীলেখা চট্টোপাধ্যায়	২৮
সভামুখোর ভাষণ : নন্দিতা সরকার	৩২
রবীন্দ্রনাথের নাটক	৩৫
অভীক ঘোষ	৪২
সভামুখোর ভাষণ : সুদীপ দাস	৪৭
হে বন্ধু, হে প্রিয়	৬১
ইন্দ্রাণী মুখোপাধ্যায়	৬৩
সভামুখোর ভাষণ : সিতাংশু রায়	৬৬
রবীন্দ্রনাথের বিদ্যালয়-ভাবনা	৮৪
অমল পাল	৯০
সভামুখোর ভাষণ : সবুজকলি সেন	১০৬
প্রকৃতির প্রেম এবং পূজা : বিচিত্র কোলাজ	১০৯
পল্লব সেনগুপ্ত	১১৫
সভামুখোর ভাষণ : তপতী মুখোপাধ্যায়	১১৬
ঠাকুরবাড়ির ব্রহ্মসংগীত	১১৭
প্রসূন গঙ্গোপাধ্যায়	১১৮
সভামুখোর ভাষণ : যুথিকা বসু	১২০
লেখক-পরিচিতি	১২১
সভামুখ্য-পরিচিতি	১২২
সম্পাদক-পরিচিতি	১২৩



প্রকাশ ২২শে শ্রাবণ ১৪২৪

রবীন্দ্রসংগীত গবেষণাকেন্দ্রের
কালানুক্রমিক রবীন্দ্রসংগীত প্রকল্পে প্রকাশিত

প্রকল্প অধিকর্তা
ইন্দ্রাণী মুখোপাধ্যায়

সম্পাদক
অমর্ত্য মুখোপাধ্যায়

প্রচ্ছদ পরিকল্পনা
আশিস পাঠক

সম্মুখ-প্রচ্ছদে প্রথম সংস্করণের ছবি ব্যবহৃত
পশ্চাৎ-প্রচ্ছদে বান্দীকি-র বেশে রবীন্দ্রনাথ

গ্রন্থে ব্যবহৃত ছবিগুলি রবীন্দ্র ভবন সংগ্রহ থেকে

গবেষণা সহায়ক
দেবশ্রী দাস গৌরব চৌধুরী
অভীক সরকার
রেখিতা নন্দী

© বিশ্বভারতী

মূল্য : ১২০০.০০ টাকা

ISBN 978-81-7522-657-9

প্রকাশক কর্মসচিব (ভারপ্রাপ্ত), বিশ্বভারতী
বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ। ৬ আচার্য জগদীশচন্দ্র বসু রোড। কলকাতা ১৭

মুদ্রক নবপ্রেস প্রাইভেট লিমিটেড
৬৬ গ্রে স্ট্রিট। কলকাতা ৬

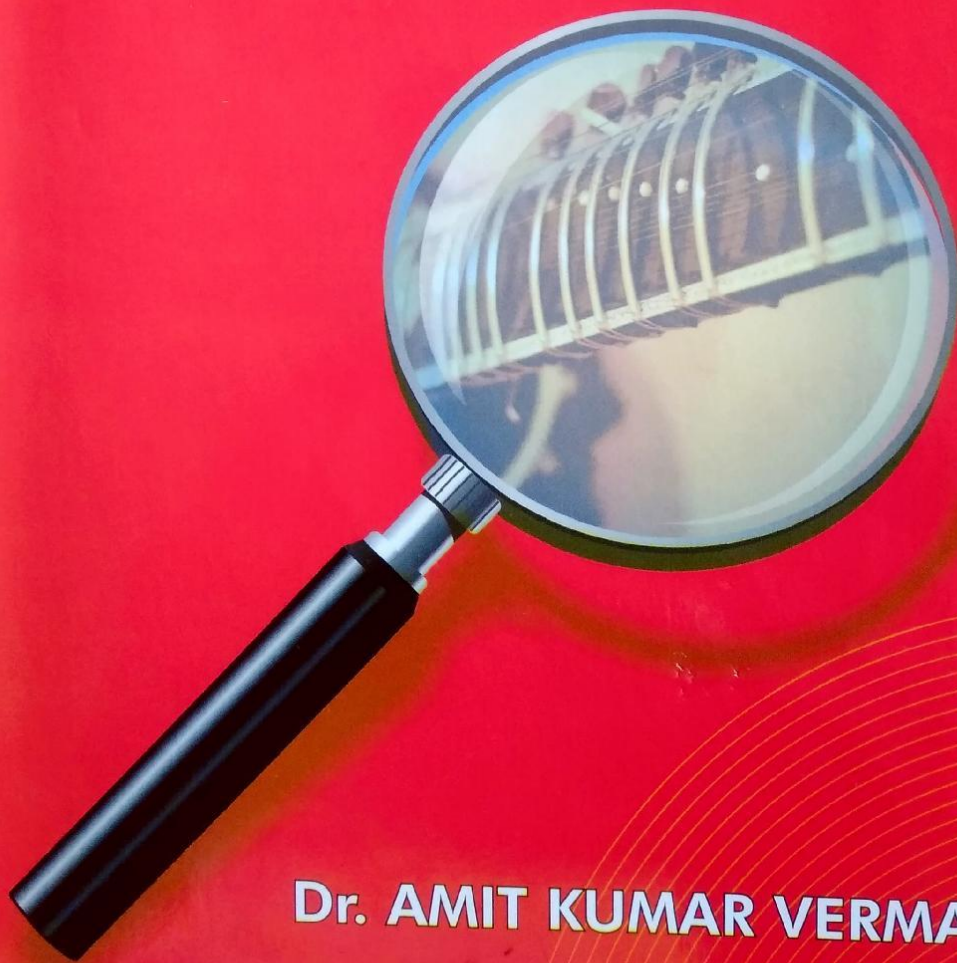
রবীন্দ্র-
প্রকল্প-
রবীন্দ্র-
এর ম
রবীন্দ্র-
সুচিন্তি
দত্তগু
এ
গবেষণ
কালক্র
সংরক্ষ
দ্বিস্তরি

কালানু
কালানু
থাকবে
নথিসং
বি
(১৩২০
হয়েছে
রচ
সত্তাবনা
মধ্য দি
পেল।
কা
অ
পথের ি

Verma, Amit Kumar

Research Methodology in **INDIAN MUSIC**

A STEP BY STEP GUIDE FOR BEGINNERS



Dr. AMIT KUMAR VERMA

Published by:



AAYU PUBLICATIONS

D-134, Agar Nagar, Prem Nagar-III

New Delhi-110086

Tel: 09910728725, 09654504227

Email: aayupublication@gmail.com

www.aayupublications.com

Research Methodology in Indian Music

© Author

1st Edition 2017

ISBN: 978-93-85161-39-1

All rights are reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission of the publisher.

PRINTED IN INDIA

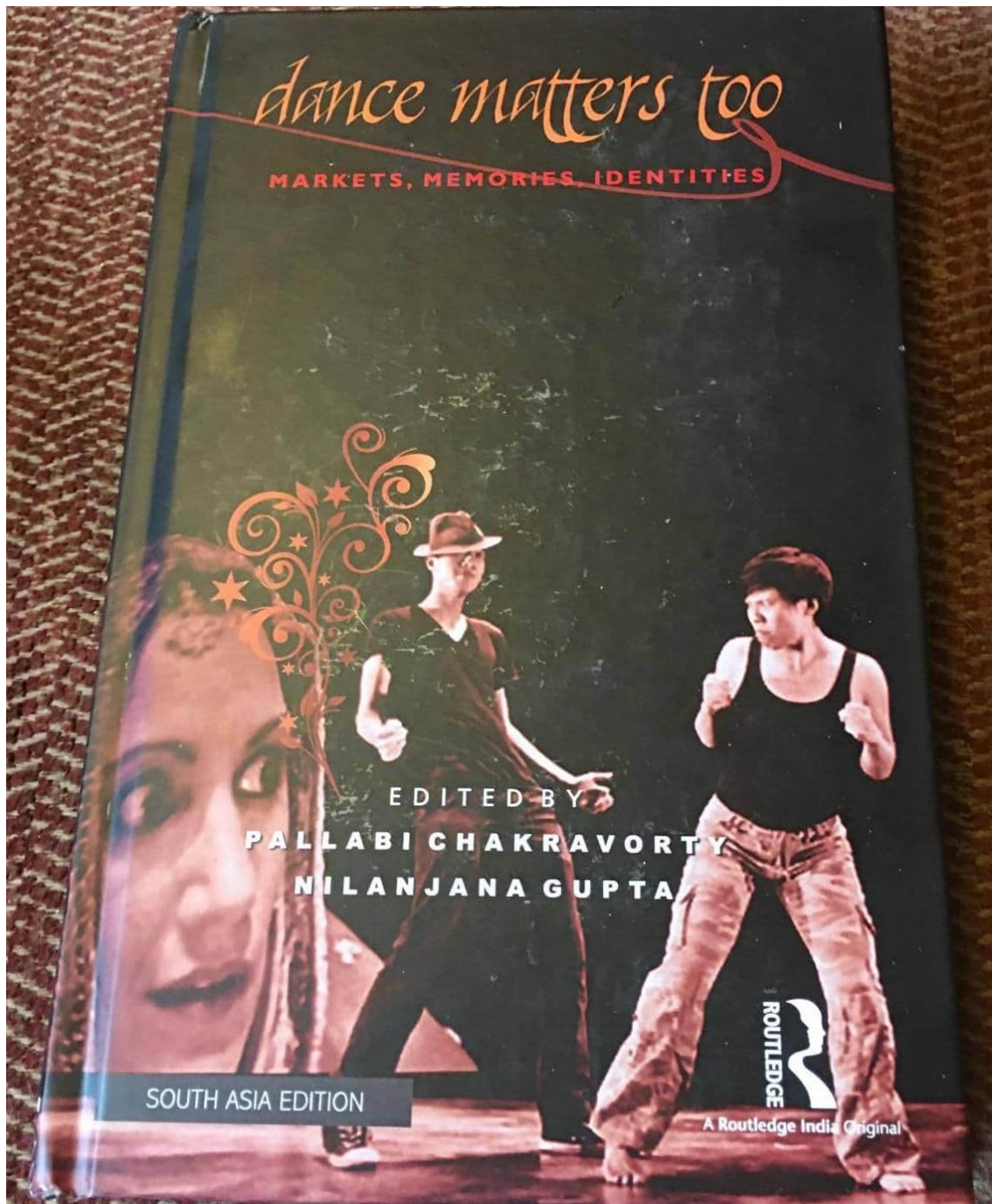
Printed at: Unitech Graphic Point, Delhi

Content

<i>Preface</i>	v
1. Publications on Research in Music: A Review	1
i. Problem & Areas of Research in Music (Book)	
ii. Sangeet Journal (Shodh Ank)	
iii. Directory of Doctoral Thesis in Music (Directory)	
iv. Music Research: Perspectives and Prospectus— Reference Indian Music (Seminar Proceeding)	
v. Research Methods in Indian Music (Book)	
vi. Sources of Research in Indian Classical Music (Book)	
2. Concept of Research	13
i. Purpose of Research	
ii. Motivation in Research	
iii. Criteria of Good Research	
iv. Characteristics of Research	
v. The Importance of Knowing How to Conduct Research	
vi. Definitions of Research	
vii. Research Methods vs. Methodology	
3. Type of Research	27
i. Basic Research vs. Applied Research	

ii.	Quantitative Research vs. Qualitative Research	
iii.	Conceptual vs. Empirical Research	
iv.	Historical Research	
v.	Descriptive Research	
	a. Survey Research	
	b. Case Study—Individual, Social group, Community	
	c. Documentary Analysis	
	d. Comparative Research	
vi.	Analytical Research	
vii.	Experimental Research	
viii.	Interdisciplinary Research	
4.	Research Process	43
i.	Formulation of Research Problem	
ii.	Reviewing the Literature	
	a. Purpose of Review	
	b. Importance of Literature Review	
	c. Sources of the Review	
	d. Preparation of Useful Notes	
	e. How to Write a Book / Article Review	
iii.	The Formulation of Objectives	
	a. Characteristics of a Research Topic	
iv.	Preparing the Research Design	
	a. Elements of Research Design	
	b. Importance of Research Design	
v.	Hypothesis	
	a. Purpose of Hypothesis	
	b. Formulation of Hypothesis	
	c. How to Develop Working Hypothesis?	
	d. Different Forms of Hypothesis	
vi.	Data Collection	
	a. Methods of Primary Data Collection— Observation Method, Survey Method, Contact Method	

	b. Use of Secondary Data	
	c. Data Editing	
vii.	Analysis of Data	
viii.	Interpretation	
	a. Technique of Interpretation	
	b. Precautions in Interpretation	
ix.	Drawing Conclusions	
x.	Writing A Research Report	
5.	Research Ethics	82
i.	Qualities of a Researcher	
ii.	Qualities of An Ideal Supervisor	
iii.	Most Substantial Problems Faced by Students in Research Supervision	
6.	Research Tools & Techniques	92
i.	Collection of Data through Questionnaires	
ii.	Collection of Data through Opinionnaire	
iii.	Recording Device: Audio / Video	
iv.	Photography	
v.	Population	
vi.	Sampling	
vii.	Variables	
viii.	Interview	
ix.	Some Important Terms Used in Research— Citation, Bibliography, References, Quotation, Acknowledgement, Footnotes and Endnotes.	
7.	Research Proposal	104
8.	Problems in Music Research	106
9.	Plagiarism	108
10.	Expected Questions for Examination	110



DANCE MATTERS TOO

Markets, Memories, Identities

*Edited by Pallabi Chakravorty and
Nilanjana Gupta*

 Routledge
Taylor & Francis Group
LONDON AND NEW YORK

CONTENTS

16 **Pedagogy of Manipuri dance: in and beyond the
temple premise**
SRUTI BANDOPADHAY

17 **Text, context and interpreter: understanding
paradigms of Sattriya dance and dancer in
changing space**
ANWESA MAHANTA

18 **Why dancing the sensual sculptures matter:
considering a sensory paradigm for
SABINA SWETA SEN-PODSTAWSKA**

Index

Prabhakar, Mrityunjay Kumar

आकांक्षी भारतीय भाषा एवं संस्कृति एक विमर्श



कैलाश पट्टनायक
अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी

प्रकाशक : 'सेंटर फॉर एनडेंजर्ड लेंग्वेजेज, विश्वभारती' के
लिए 'द मार्जिनलाइज्ड पब्लिकेशन,
इग्नू रोड, नई दिल्ली-110068
पंजीकृत कार्यालय, सानेवाड़ी, वर्धा
महाराष्ट्र-442001

ई-मेल : themarginalised@gmail.com
संपर्क : + 91-8130284314, 9650164016

© विश्वभारती

प्रथम संस्करण : 2018
आईएसबीएन : 978-93-87441-30-9 (अजिल्द)
लेआउट, कवर : दिनेश कुमार
मुद्रक : विकास कंप्यूटर एंड प्रिंटर्स, नवीन शाहदरा
दिल्ली-110032

आकांक्षी भारतीय भाषा एवं संस्कृति
संपादन : कैलाश पट्टनायक, अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी

AAKANKSHI BHARTIYA BHASHA EVAM SANSKRUTI
edited by Kailash Pattanaik, Arimardan Kumar Tripathi

आकांक्षी भारतीय भाषा एवं संस्कृति : एक विमर्श

विषय-सूची

• संपादकीय

भाषा, सत्ता एवं लोकतंत्र

- भारतीय भाषाएँ और उनकी चुनौतियाँ : समाधान के कुछ बिन्दु—वृषभ प्रसाद जैन 11
- भाषा, शक्ति-वर्चस्व और लोकतंत्र—राजीव रंजन गिरि 18
- हिन्दी भाषा और राष्ट्रवाद—जीतेंद्र गुप्ता 64
- भारतीय साहित्य की संकल्पना और रामविलास शर्मा—आशुतोष 78
- मुद्रित माध्यम की हिन्दी पत्रकारिता में भाषा का प्रश्न—कृपाशंकर चौबे 91
- सामाजिक व्यवस्था, अनुष्ठान और लोकसाहित्य—नीलू कुमारी 102
- ज्ञान की आधुनिक अवधारणा और (लोक) भाषा व्यवहार—ऋषि भूषण चौबे 116
- प्राचीन भारतीय नाट्य परंपरा और भाषा की राजनीति—मृत्युंजय प्रभाकर 126

भाषा एवं लोक-संस्कृति

- हो आदिवासी : सामाजिक व्यवस्था, परम्परा और लोक साहित्य—सोनी कुमारी 135
- अरुणाचल की जनजातीय भाषा एवं लोक-साहित्य—राजीव रंजन प्रसाद 146
- अक्षर ब्रह्म का क्षरण—बाल मुकुंद सिन्हा 156
- आदिवासी भाषाओं का विकास : अन्य भाषाओं के संदर्भ में—कमला लकड़ा 167
- लुप्तप्राय भाषाओं का संरक्षण एवं अनुवाद : वैगानी के विशेष संदर्भ में—विंध्यवासिनी पाण्डेय 172
- कुंडुख भाषा-साहित्य में पीयूष लकड़ा का साहित्यिक योगदान—लक्ष्मी उरीव 185

Prabhakar, Mrityunjay Kumar



Publisher : "Centre for Endangered Languages,
Visva-Bharati" jointly with The
Marginalised Publication, Sanewadi,
Wardha, Maharashtra - 442001
Delhi Office : A-2 U/G/F House No. 420, K.H
322, Neb Sarai, New Delhi-110068
E-mail : themarginalisedpublication@gmail.com
Contact : +91-9968527911, 8130284314

© Visva-Bharati

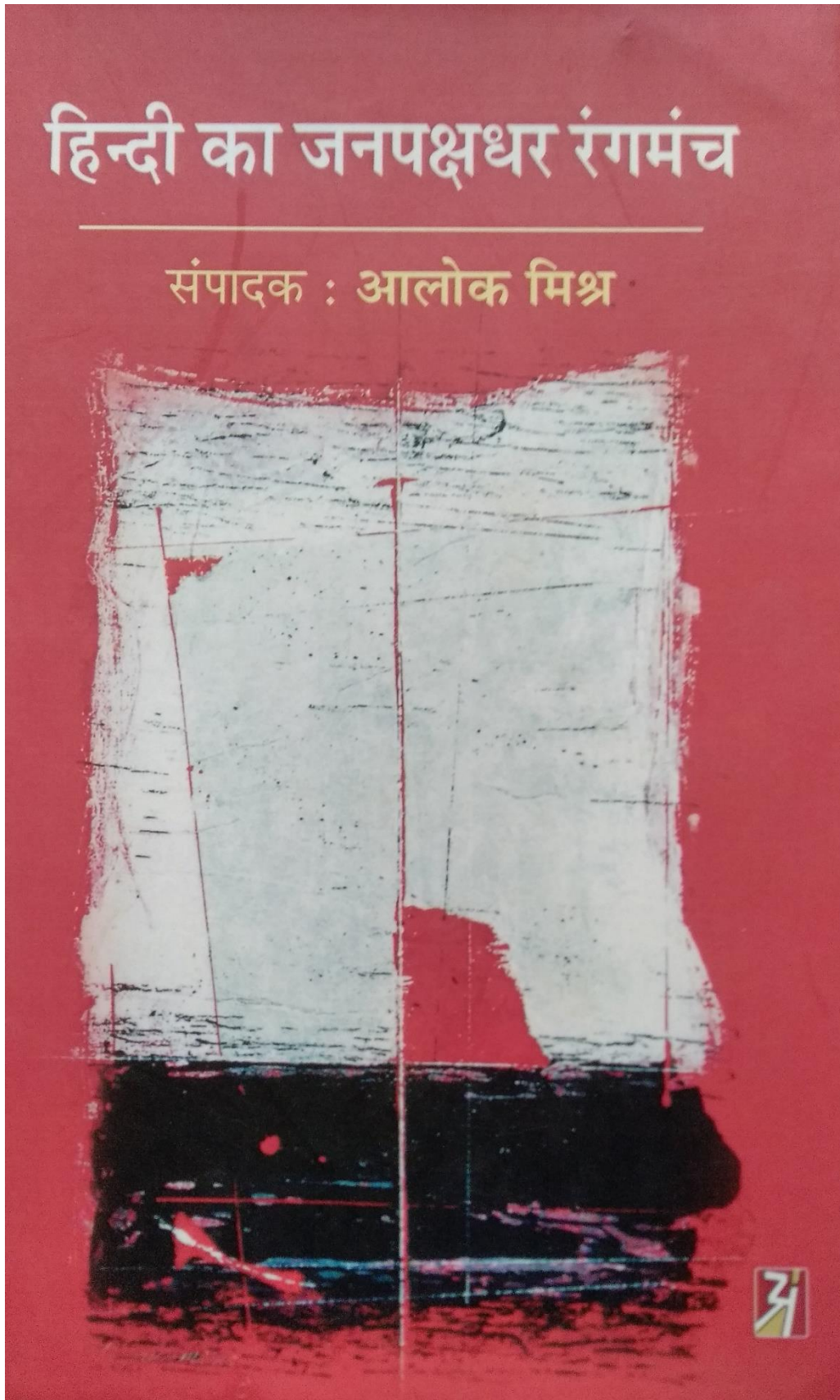
First edition : 2018
ISBN : 978-93-87441-31-6
Layout design : Dinesh Kumar
Printer : Vikas Computer & Printers,
Naveen Shahdara, Delhi-110032

Indian Languages and Cultures : A Debate
by Kailash Pattanaik, Arimardan Kumar Tripathi

CONTENTS

EDITORIAL	09
LANGUAGE, NATION AND POLICY	
1. Nation, Nationality and Linguistic Marginality- Udaya Narayana Singh	15
2. Language Revitalization: Role of the Community- Krishna Bhattacharya	25
3. Language Endangerment : Within and Beyond Idealistic and Stochastic Linguistics- Shailendra Kumar Singh	41
4. Revitalization of minority languages Implications for language policy and planning - Parman Singh	61
5. The Poetics and Politics of Subversion in Theatre of Roots- Mrityunjay Kumar Prabhakar	95
6. The Language of Heart: Revisiting Intellectual Hegemony in Indian Sufi Writings - Mohammad Shaheer Siddiqui	110
7. Endangered Languages in North Eastern Part of Bangladesh - Snehangshu Shekhar Chanda	129
8. Naru-becoming and Environmental Subjectivity Language, world view, and alternative narrative of history in the epoch of the Anthropocene - Masahiro Terada	145
9. Subjective Ethnolinguistic Vitality of Khasi: The case of the International Borders of Meghalaya - Gordon D. Dkhar	159
10. Problems Faced by the Endangered Languages: The Case of Manipur- Ch. Yashwanta Singh	176
LANGUAGE, SOCIETY AND CULTURE	
11. Savara: Language and Literature - A. Chandrasekhara Rao	187
12. Historical Development of Koshali as an Endangered Language and Its Marginalization - Pritish Acharya and Shri Krishan	211
13. Language of the Santals: Lyricism in life and emotions - Kumkum Bhattacharya and R.K. Bhattacharya	231

Prabhakar, Mrityunjay Kumar



ISBN 978-93-85013-83-6

हिन्दी का जनपक्षधर रंगमंच

© आलोक मिश्र

पहला संस्करण (सजिल्द) : 2017

मूल्य : 425.00 रुपए

प्रकाशक

अंतिका प्रकाशन

सी-56/यूजीएफ-IV, शालीमार गार्डन, एक्सटेंशन-II

गाज़ियाबाद-201005 (उ.प्र.)

फ़ोन : 0120-2648212, 0-9871856053

ई-मेल : antika56@gmail.com

वेबसाइट : www.antikapublishan.com

आवरण चित्र : अक्षय अमेरिया

मुद्रक : आर.के. आफसेट प्रोसेस, नवीन शाहदरा, दिल्ली-32

HINDI KA JANPAKSHDHAR RANGMANCH Edited by Alok Mis

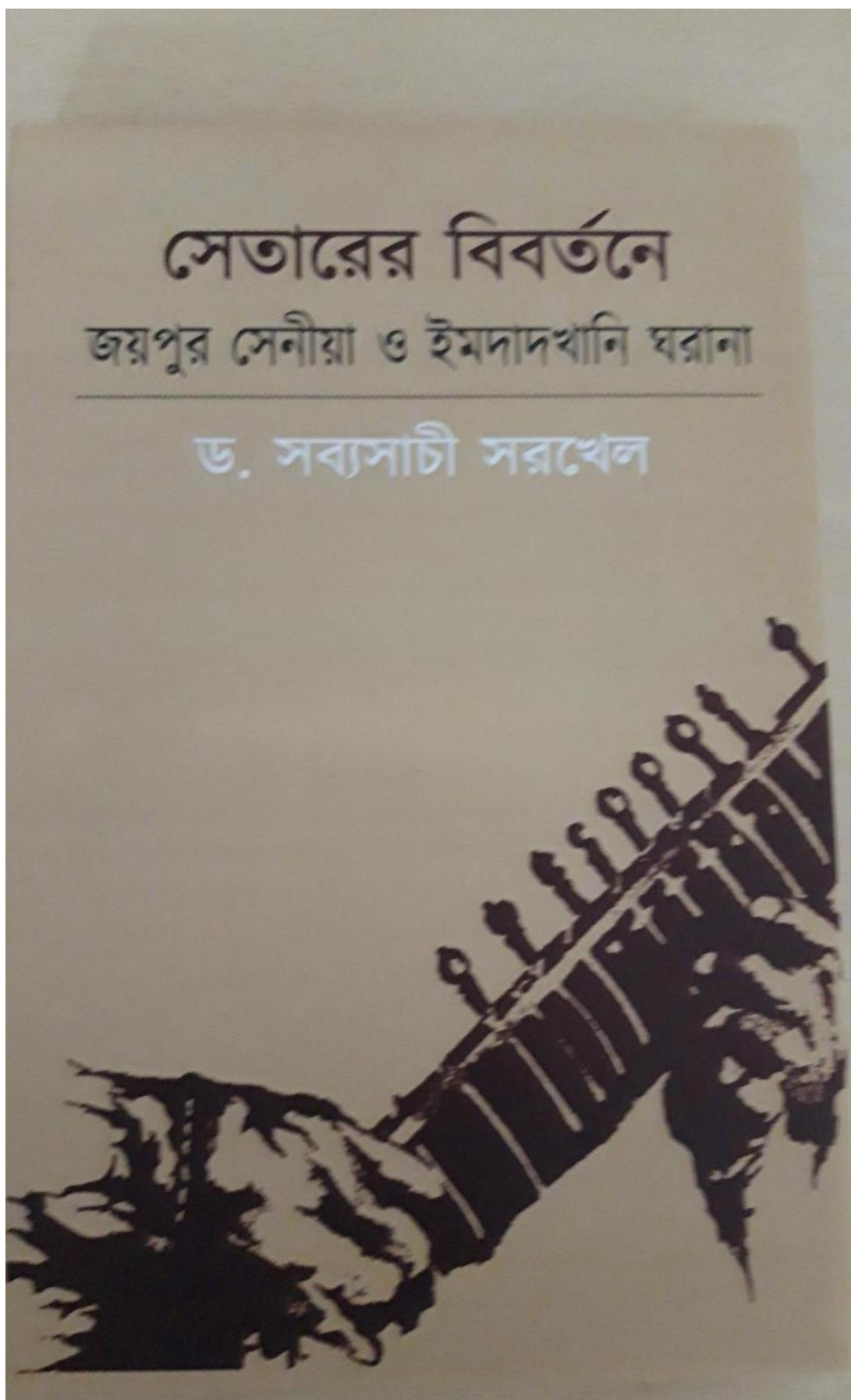
Published by Antika Prakashan, C-56/UGF-IV, Shalimar Garden Ext.-II

Ghaziabad-201005 (UP) India

Price : ₹ 425.00

अनुक्रम

प्राक्कथन	7
पारंपरिक रंगमंच का स्वायत्त स्वरूप और उसकी लोकपक्षधरता / कमलेशदत्त त्रिपाठी	13
नाटक की दूसरी परंपरा / राधावल्लभ त्रिपाठी	19
भारतीय नाट्य-साहित्य में दलित-चेतना / देवेन्द्र राज अंकुर	31
रंगमंच का जनतंत्र / हृषीकेश सुलभ	38
कोरे कागज़ को बेहतर बनाने की ज़रूरत / नीलाभ अशक	42
मेरी नाट्य लेखन यात्रा / रमेश उपाध्याय	54
भूमंडलीकरण की चुनौतियाँ और रंगकर्म / ज्योतिष जोशी	62
जन नाट्य और समय, समाज की सापेक्षता / महेश कटारे	75
जन पक्षधरता के बहुआयामी रूप : नुक्कड़ रंगमंच / आशीष त्रिपाठी	81
हिंदी रंगमंच की जन पक्षधरता / रमेश राजहंस	104
दलित आंदोलन और हिंदी नुक्कड़ नाटक / डॉ. प्रज्ञा	111
प्रतिरोध की संस्कृति की पहचान है नुक्कड़ की दुनिया / मृत्यंजय प्रभाकर	123
अभिव्यक्ति की आज़ादी पर लग रहीं बंदिशें / अरुण पाण्डेय	133
रंगमंच की अनिवार्यता है जनपक्षधरता / मुन्ना कुमार पाण्डेय	139
लीलामय / व्योमेश शुक्ल	142
साधारण का उत्सव और उसकी पक्षधरता का रंगमंच / अमितेश कुमार	151
हिन्दी सिनेमा की जनपक्षधरता : इक बाग नहीं, इक खेत नहीं... / शशांक दुबे	161



Setarer Bibortane Joipur Senia O Imdadkhani Gharana
by Dr. Sabyasachi Sarkhel

গ্রন্থস্বত্ব : লেখক

প্রকাশক : শ্রীমতি হিমালী চক্রবর্তী, জয়ন্তী প্রকাশনী
মধ্যপাড়া, উত্তর গান্ধীগ্রাম, ত্রিপুরা - ৭৯৯০১২
E-mail : jayantiprakashani2013@gmail.com

প্রথম প্রকাশ : ২০০৪

দ্বিতীয় জয়ন্তী প্রকাশনী সংস্করণ : ২০১৮

অঙ্কর বিন্যাস : অরিজিৎ হাজরা
২৪৪এ/২, জায়গিরঘাট রোড, ঠাকুরপুকুর, কলকাতা-৬৩
ফোন : ৯৪৩৩২ ০৯৩১৯

মুদ্রক : গৌরান্দ্র প্রেস
কানাই ধর লেন, কলকাতা - ৭০০ ০১২

প্রচ্ছদ : শ্যামল বরণ সাহা

ISBN : 978-93-89404-37-1

মূল্য : ₹ ৪৯৯ (চারশত নিরানব্বই) টাকা মাত্র

সূচীপত্র

বিভাগ : ক

যুদ্ধসঙ্গীতের বিকাশের ক্ষেত্রে তানসেন বংশীয়দের অবদান
এবং সেতারের উৎস ও ক্রমবিকাশ

প্রথম অধ্যায়

- ক. তানসেনের পুত্রবংশীয়দের (রবাবীয়া ঘরানা) অবদান..... ১৪
খ. তানসেনের দৌহিত্রবংশীয়দের (বীণকার ঘরানা) অবদান ২৬

দ্বিতীয় অধ্যায়

- ক. সেতারের উৎপত্তি..... ৪৭
খ. সেতারের গঠনের বিবর্তন..... ৫৩
গ. সেতারের বিভিন্ন ঘরানা..... ৫৭

বিভাগ : খ

সেতারের উন্নতির ক্ষেত্রে জয়পুর সেনীয়া ঘরানার অবদান

তৃতীয় অধ্যায়

- ক. মসীৎ খাঁ ও তার বংশ পরিচয় ৭৯
খ. মসীৎখানি গৎ ও মসীৎখানি বাজ..... ৮২

চতুর্থ অধ্যায়

- মসীৎ খাঁর পরবর্তী সেনীয়া ও তাঁদের বাদনশৈলী..... ৮৮

বিভাগ : গ

ইটাওয়া ফারুখাবাদ ঘরানার অবদান

পঞ্চম অধ্যায়

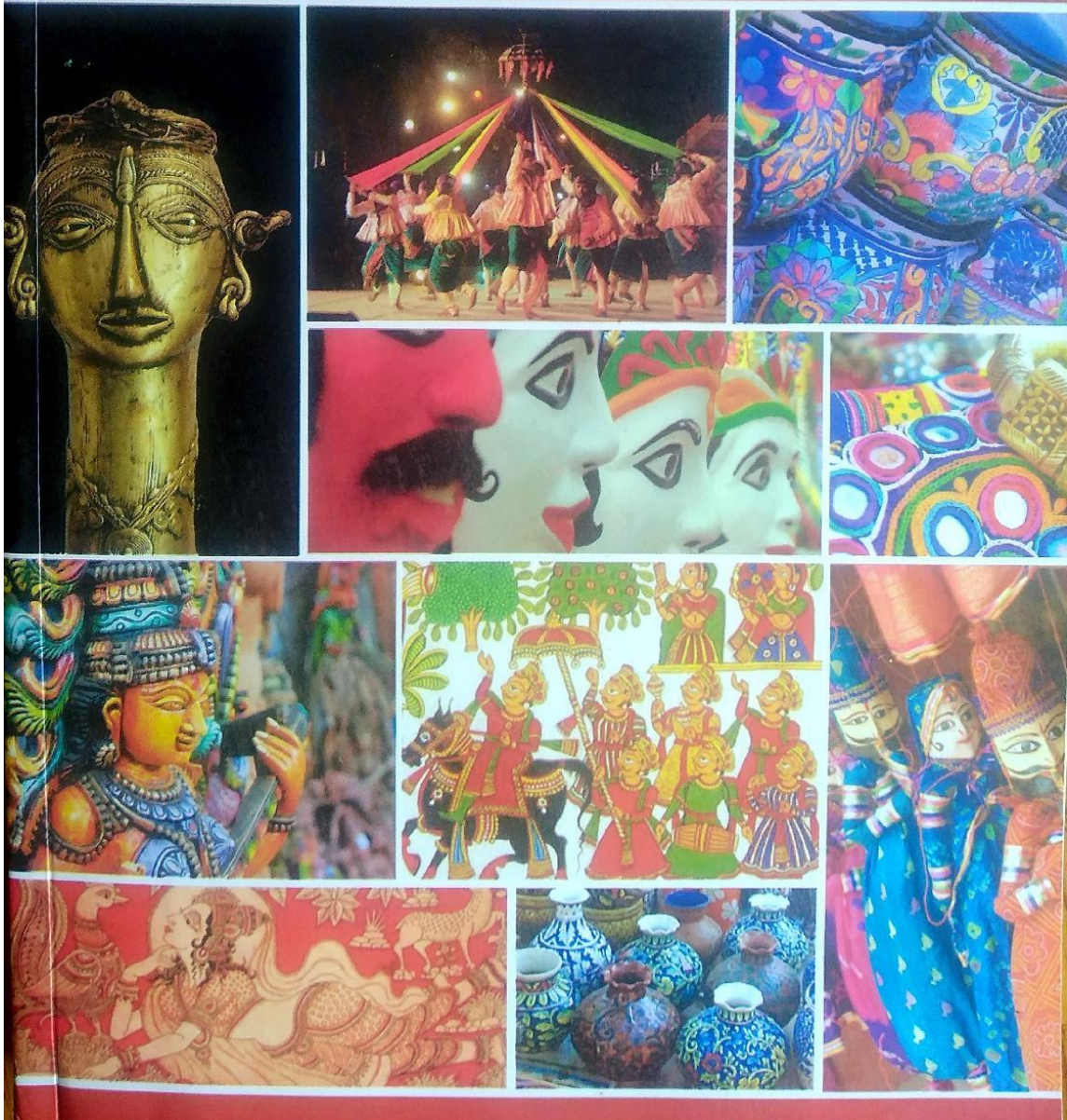
- ক. ইটাওয়া-ফারুখাবাদ ঘরানা..... ১০১
খ. সাহাবদাদ খাঁ..... ১০৩
গ. ইমদাদ খাঁ..... ১০৬

ষষ্ঠ অধ্যায়

- ক. উস্তাদ ইনায়েৎ খাঁ সাহেবের অবদান..... ১০৬
খ. উস্তাদ বিলায়েৎ খাঁ সাহেবের অবদান..... ১২৫
বিলায়েৎ খাঁ সাহেবের প্রকাশিত কিছু রেকর্ড ও ক্যাসেটের তালিকা..... ১৩৩
উপসংহার..... ১৩৯
গ্রন্থপঞ্জী..... ১৪১

लोककला नवनीत

संकलन व संपादन
डॉ. अयोध्या प्रसाद गुप्त 'कुमुद'



ISBN 978-81-237-8163-1

प्रथम संस्करण : 2018 (शक 1939)

Lokkala navneet (Hindi original)

© संकलन: अयोध्या प्रसाद गुप्त 'कुमुद'

₹ 240.00

निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

नेहरू भवन 5, वसंत कुंज इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2, वसंत कुंज,
नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित

आल्हा : वीरता की हुंकार	
—श्री अयोध्या प्रसाद गुप्त 'कुमुद'	52
लोक कथा परम्परा	
—डॉ. करुणा शंकर दुबे	59
लोकगीतों में स्वाधीनता संग्राम के ऐतिहासिक तथ्य	
—(स्व.) डॉ. गणेशदत्त सारस्वत	64
लोक संस्कृति की अद्भुत लय है कजरी	
—श्री कृष्ण कुमार यादव	72
लोकगीतों का राजा-‘ऋतु गीत चइता’	
—डॉ. शालिग्राम शुक्ल 'नीर'	79
ब्रज की लोकरंजनी दृश्य कलाएँ	
—डॉ. शिवेंद्र सिंह	85
गालियों की गीत गंगा	
—डॉ. मालती शर्मा	98
लोककलाओं के आधार लोकवाद्य	
—श्री गिरीश चंद्र	101
लोक संगीत और शास्त्रीय संगीत की अवधारणा	
—डॉ. अमित वर्मा	106
नृत्य का भारतीय अंतरंग	
—श्री वसंत निरगुणे	110
छऊ नृत्य : झारखण्ड की एक अनूठी लोककला	
—डॉ. वीणापाणि महतो	122
उत्तर बिहार के लोकनृत्य	
—श्रीमती ऊषा किरण	126
हिंदी का आदि रंगमंच—रासलीला	
—(स्व.) रामनारायण अग्रवाल	133
लोकनाटक : परम्परा तथा प्रयोग	
	139

Sarkhel, Sabyasachi

शास्त्रीय संगीत एवं वर्तमान परिवेश

राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यवृत्त

(दिनांक 17-18 मार्च, 2018)

संपादक

डॉ० अंजली शर्मा

सहायक आचार्य, संगीत विभागाध्यक्ष
श्री अग्रसेन कन्या पी०जी० कॉलेज
बुलानाला/परमानन्दपुर, वाराणसी

के. आर. पब्लिकेशन

प्रथम संस्करण : 2019

ISBN : 978-93-88179-41-6

प्रकाशक-

के0 आर0 पब्लिकेशन

16/966, संगम बिहार

नई दिल्ली

मो0 7753977775, 7706017062

Email : krpublicationvd@gmail.com

Website: www.krpublishers.com

संपादक

डॉ0 अंजली शर्मा

सहायक आचार्य, संगीत विभागाध्यक्ष

श्री अग्रसेन कन्या पी0जी0 कॉलेज

बुलानाला/परमानन्दपुर, वाराणसी

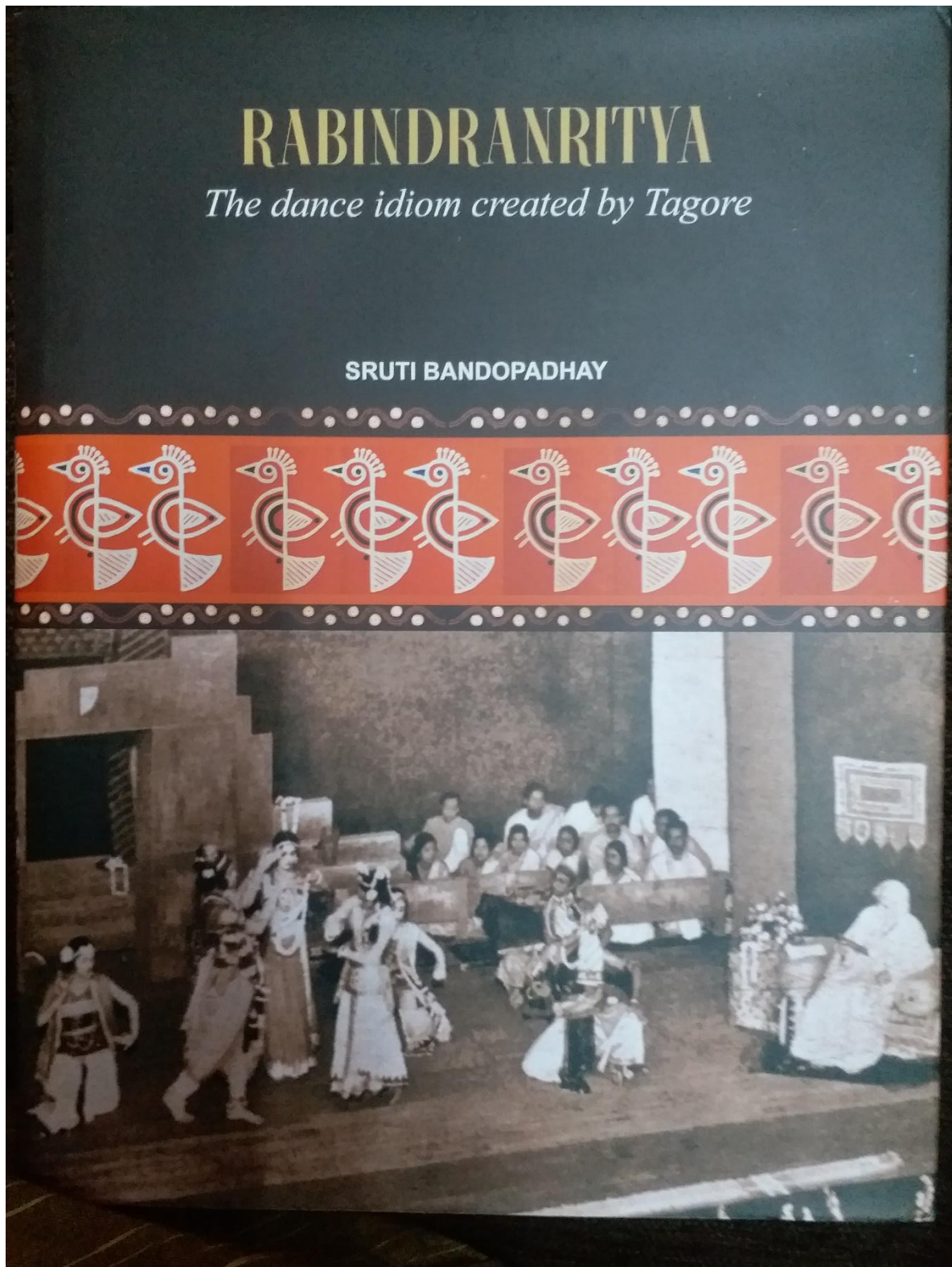
मूल्य : रूपये 350/-

ISBN : 978-93-88179-41-6

© सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। इस प्रकाशन के किसी भी अंश को संपादक तथा प्रकाशक की अनुमति प्राप्त किए बिना किसी भी रूप, या किसी भी माध्यम से पुनर्प्रकाशित या प्रसारित नहीं किया जा सकता।

अनुक्रमणिका

क्र.सं.		पृ०सं०
1.	भारतीय संगीत का सामाजिक परिदृश्य डॉ० कुमकुम मालवीय	1-5
2.	शास्त्रीय संगीत एवं वर्तमान परिवेश प्रो० राजेश्वर आचार्य	6-7
3.	शास्त्रीय संगीत में वैश्वीकरण का प्रभाव प्रो० ऋत्तिक सान्याल	8-9
4.	शास्त्रीय संगीत के प्रति युवा पीढ़ी का रुझान डॉ० मुकेश गर्ग	10-11
5.	शास्त्रीय संगीत के प्रोत्साहन में शासकीय एवं अशासकीय योजनाओं की भूमिका प्रो० सव्यसांची सरखेल	12-13
6.	शास्त्रीय संगीत में मंच प्रदर्शन का बदलता स्वरूप प्रो० बीरेन्द्रनाथ मिश्र	14-15
7.	प्राथमिक, माध्यमिक एवं विश्वविद्यालय स्तर पर संगीत शिक्षा प्रो० राजेश शाह	16-18
8.	शास्त्रीय संगीत में आजीविका के बढ़ते अवसर प्रो० प्रवीण उद्दव	19-20
9.	शास्त्रीय संगीत के प्रचार एवं प्रसार में इलेक्ट्रानिक एवं संचार माध्यमों की भूमिका प्रो० के० शशिकुमार	21-22
10.	शास्त्रीय संगीत एवं रियलिटी शो प्रो० मनोज मिश्रा	23-24
11.	शास्त्रीय संगीत का अन्य विषयों से अंतरानुसशानिक सम्बन्ध डॉ० संगीता श्रीवास्तव	25-27
12.	शास्त्रीय संगीत को जनसाधारण में लोकप्रिय बनाने हेतु प्रास डॉ० सीमा वर्मा	28-29
13.	शास्त्रीय संगीत के प्रचार प्रसार में इलेक्ट्रानिक एवं संचार माध्यमों की भूमिका डॉ० अनामिका दीक्षित	30-31
14.	शास्त्रीय संगीत में गुरु-शिष्य परम्परा एवं विश्वविद्यालयीय शिक्षण प्रणाली डॉ० अंजली शर्मा	32-33
15.	शास्त्रीय संगीत के प्रचार एवं प्रसार में इलेक्ट्रॉनिक एवं संचार माध्यमों की भूमिका डॉ० आकांक्षा गुप्ता	34-35
16.	शास्त्रीय संगीत को जनसाधारण में लोकप्रिय बनाने हेतु प्रयास डॉ० नीरा चौधरी अणिमा श्रीवास्तव	36-38



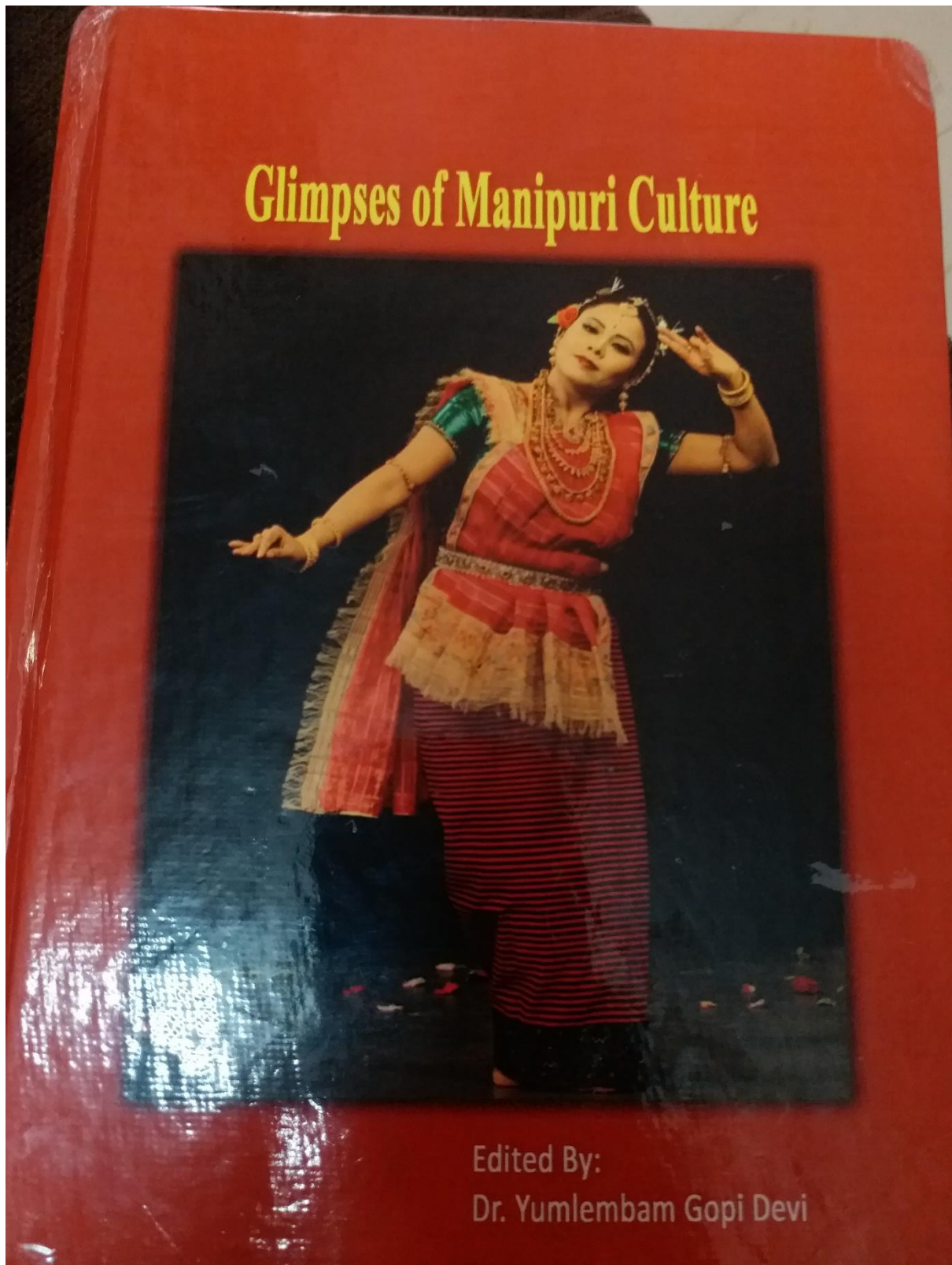


C O N T E N T S

FOREWORD...07 ACKNOWLEDGEMENT...08 INTRODUCTION...09

CHAPTER 1	<i>Rabindranitya</i>	15
	THE BEGINNING	
CHAPTER 2	<i>Rabindranitya</i>	35
	THE BUDDING	
CHAPTER 3	<i>Rabindranitya</i>	85
	THE SHAPING	
CHAPTER 4	<i>Rabindranitya</i>	121
	ITS ACCOMPANIMENTS	
CHAPTER 5	<i>Rabindranitya</i>	133
	ITS ACCESSORIES	
CHAPTER 6	<i>Rabindranitya</i>	175
	AFTER RABINDRANATH'S DEMISE	
CHAPTER 7	<i>Rabindranitya</i>	297
	THE PEDAGOGY OF THE DANCE	

BIBLIOGRAPHY...315 INDEX...318



Lulu Publication

Price: Indian (RS) 1500/-
United States Dollar 22.37/-

Glimpses of Manipuri Culture

Dr. Yumlembam Gopi Devi

ISBN- 978-0-359-72919-7

Published by,
Lulu Publication
3101 Hillsborough St,
Raleigh, NC 27607,
United States.

Printed by,
Laxmi Book Publication,
258/34, Raviwar Peth,
Solapur, Maharashtra, India.

Contact No. : 9595359435

Website: <http://lbp.world/>

Email ID: apiguide2014@gmail.com
ayisrj2011@gmail.com

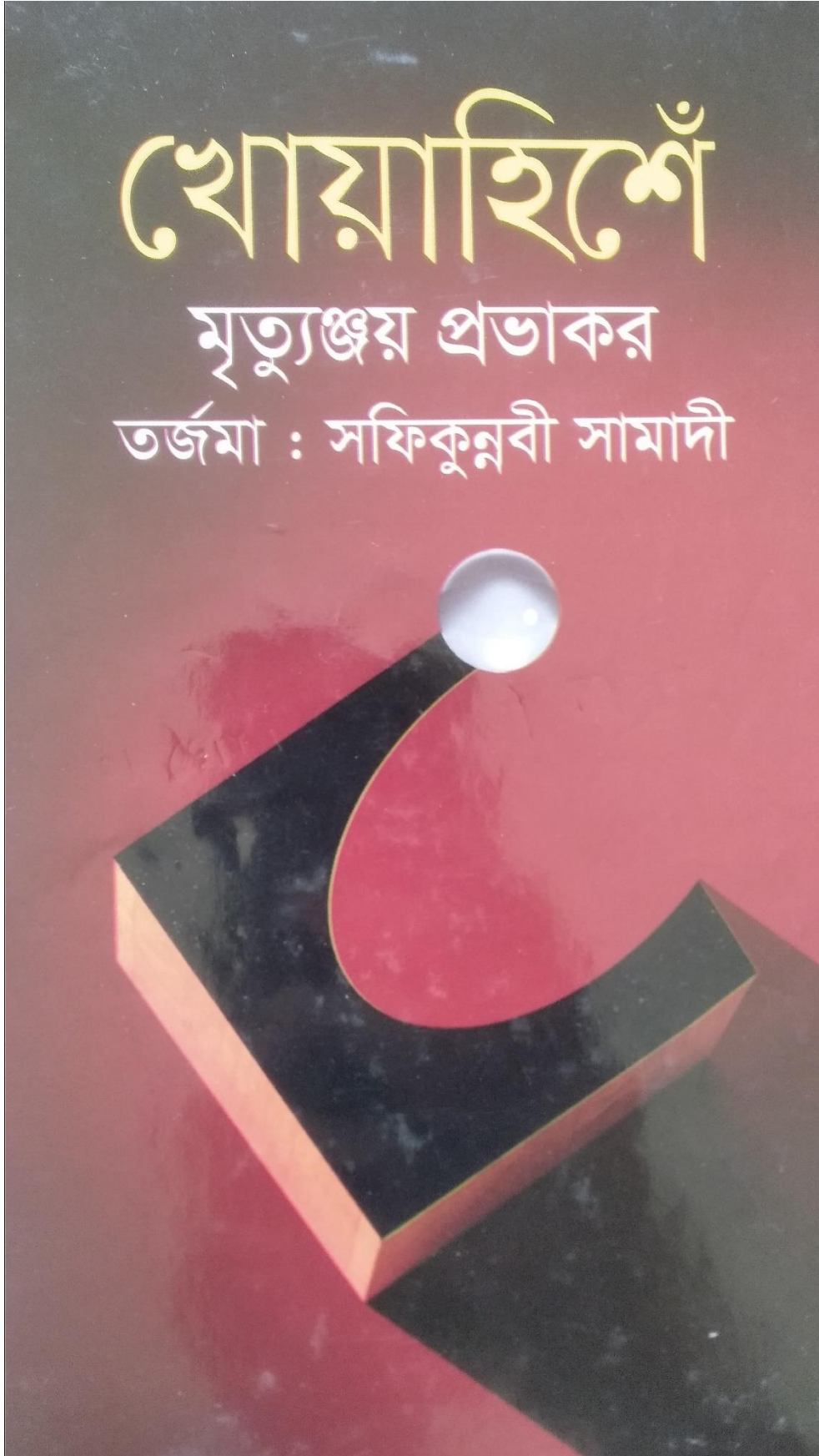
1st Edition 2019

© 2019 by Dr. Yumlembam Gopi Devi.

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced or transmitted, in any form or by any means, without prior permission of the author. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages. [The responsibility for the facts stated, conclusions reached, etc., is entirely that of the author. The publisher is not responsible for them, whatsoever.]

9	PENA MUSIC IN MANIPURI CULTURE Dr. Makhonmani Mongsataba, (State Kala Akademi and Sahitya Akademi Awardee)	98	17	RASLILA : CLASSICAL DANCE OF MANIPUR Dr. Yumlembam Gopi Devi, (State Kala Academy Awardee, Young Talent)	192
10	MYTHOLOGY IN MODERN MANIPURI LITERATURE Prof. Th. Ratankumar Singh, (Department of English, Manipur University, Imphal, Manipur)	113	18	CONTRIBUTION OF THE RABINDRANATH TAGORE TO MANIPURI DANCE R.K. Jhaljit Singh, (Padmashree Awardee)	202
11	VAISHNAVISM AMONG THE MEITEIS M. Kirti Singh, (Padmashree Awardee)	124	19	THE RITUNATYAS OF RABINDRANATH: THE FOUNDATION OF RABINDRANRITYA IN BENGAL Dr. Sruti Bandopadhyay, (Professor of Manipuri Dance, Sangit Bhavana, Visva Bharati)	211
12	CULTURAL EFFLORESCENCE IN THE HINDU (VAISNAVITE) PERIOD Naorem Khagendra Singh, (V.C. of Manipur University of Culture)	131	20	ROLE OF JAYA DEVA'S GITA GOVINDA IN INDIA'S INTEGRATION (MANIPUR CHAPTER) Dr. M. Kirti Singh, FRAS, FAS, FKSRI, (Padmashree Awardee)	229
13	SHREE SHREE GOVINDAJEE OF MANIPUR Pangambam Bharat Singh, IAS (Retd.)	161	21	PANDITRAJ ATOMBAPU SHARMA: HIS CONTRIBUTION TO MANIPURI DANCE Prof. Hijam Tombi Singh, (Ex. V.C. Manipur University)	249
14	RAASLEELA OF MANIPUR R.K. Achoubisana, (Padmashree Awardee)	174	22	TRADITION OF FOLK THEATRE IN MANIPUR Dr. Nongthombam Premchand, (Director, EMRC)	259
15	NATA SANKIRTANA: THE TRADITIONAL MUSIC OF MANIPUR Yumlembam Gambhini Devi, (Padmashree Awardee) and Dr. Yumlembam Gopi Devi, (State Kala Academy Awardee, Young Talent)	180	23	MANIPURI THEATRE : A PANORAMIC VIEW Dr. Lamabam Gojendra (Theatre Director, National Awardee)	264
6	CONTRIBUTION OF MAHARAJA BHAGYACHANDRA TO THE GROWTH OF MANIPURI CULTURE Pangambam Bharat Singh, IAS (Retd.)	187			

Prabhakar, Mrityunjay Kumar



প্রথম প্রকাশ • বইমেলা ২০১৯

প্রকাশক • তোফাজ্জল হোসেন

বিশ্বসাহিত্য ভবন, ৩৮/৪ বাংলাবাজার, ঢাকা-১১০০

অফরবিন্যাস • প্রগতি কম্পিউটার

২২/১, তোপখানা রোড, ঢাকা-১০০০

মুদ্রণ • প্রগতি প্রেস এণ্ড পাবলিকেশন

২২/১, তোপখানা রোড, ঢাকা-১০০০

গ্রাফিক • স্ক্রব এন্ড

গ্রহস্বত্ব • লেখক

দাম • ১২০ টাকা মাত্র

ISBN : - 978-984-8044-62-9

Phone : 47114424, 01819214049, 01711198570

E-mail : bobhaban@gmail.com

বিশ্বসাহিত্য ভবনের যে-কোনো বই ঘরে বসে থেকে ডিজিট করুন

www.rokomari.com

অথবা ফোন করুন : ৪৭১১৪৪২৪

চরিত্র

রতি (বয়স ২৮) : স্বাধীনচেতা নারী
জগুগী (বয়স ৩০) : নিরুর্মা যুবক
ইমরান (বয়স ২৪) : কবিশ্বভাবের তরুণ



SPARK BOOK COMPANY
Kolkata • New Delhi • Mumbai • Bengaluru
sparkbookcompany.com



SPARK

Spark is an imprint of Spark Book Company
whose addresses can be found at sparkbookcompany.com

First Impression 2019
Edition Copyright © 2019 by Spark Book Company
Text Copyright © 2019 by Amartya Mukhopadhyay
All rights reserved

This book is sold subject to the condition that it shall not, by way of trade or otherwise, be lent, resold, hired out, or otherwise circulated without the publisher's prior consent in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without the prior written permission of the publisher.

ISBN 978-93-86746-55-9

...

Cover art © Attud Atpidus/SBC
Book design by Sallence Design Studio, India
Printed in India